Samyak

An Institute For Civil Services

करेंट अफेयर्स

मासिक समसामयिकी

अक्टूबर - 2023

विशेष आकर्षण

- अंतर्राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राष्ट्रीय घटनाचक्र
- राजस्थान घटनाचक्र
- योजना सार
- रक्षा/विज्ञान प्रौद्योगिकी
- आर्थिक घटनाचक्र
- खेल जगत

सभी प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए उपयोगी

INDEX

1	**अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य**	1 – 2
2	राष्ट्रीय परिदृश्य	3 – 6
3	आर्थिक परिदृश्य	7
4	राजस्थान परिदृश्य	8 – 12
5	रक्षा विज्ञान एवं तकनीकी	13 – 20
6	इंडेक्स एवं रिपोर्ट	21 – 22
7	चर्चित स्थल	23 – 24
8	चर्चित व्यक्तित्व	24 – 25
9	खेल	25
10	पुरस्कार, पुस्तकें एवं नियुक्तियाँ	26 – 27
11	निधन	27 – 28
12	प्रमुख दिवस एवं सप्ताह	28
13	जिस्ट : योजना (अक्टूबर, 2023)	29 – 32
14	आलेख/संपादकीय	33 – 43
15	मॉडल प्रश्न पत्र	44-47

मासिक करेंट अफेयर्स

अक्टूबर : 2023

1 अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और अर्जेंटीना सामाजिक सुरक्षा समझौता

- भारत और अर्जेंटीना ने अक्टूबर, 2023 में 'सामाजिक सुरक्षा समझौते (Social Security Agreement)' पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों में पेशेवरों के विधिक अधिकारों की सुरक्षा के उद्देश्य से यह समझौता किया गया है। यह दोनों देशों में श्रमिकों और पेशेवरों के अधिकारों तथा सामाजिक लाभ की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

इंटरनेशनल :- स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

अमेरिका की राजधानी वाशिंटन में 14 अक्टूबर, 2023 को भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 19 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया। मैरीलैंड में स्थापित इस प्रतिमा को 'स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी' नाम दिया गया है। इसे भारत के मूर्तिकार राम सुतार ने तैयार किया है।

चेरियापानी फेरी सेवा

- भारत और श्रीलंका के बीच 'चेरियापानी' फेरी सेवा का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर, 2023 को किया गया। यह सेवा तमिलनाडु के नागपट्टिनम को श्रीलंका के जाफना स्थित कांकेसंथुराई से जोड़ेगी। 'चेरियापानी' नाम यह जहाज शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की देखरेख में संचालित होगा। ज्ञात हो कि वर्ष 1982 में श्रीलंका में गृह युद्ध के कारण उक्त फेरी सेवा का संचालन बंद कर दिया गया था, जो अब 41 वर्ष बाद बहाल हुई है।

श्रीलंका को IORA अध्यक्षता

- श्रीलंका के कोलम्बो में 11 अक्टूबर, 2023 को आयोजित 23वीं मंत्रिपरिषद की बैठक में श्रीलंका ने हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) की अध्यक्षता संभाली। श्रीलंका वर्ष 2025 तक IORA की अध्यक्षता करेगा। श्रीलंका ने बांग्लादेश से अध्यक्षता प्राप्त की है।
- **हिंद महासागर रिम एसोसिएशन:**-दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की वर्ष 1995 में भारत यात्रा के दौरान IORA का विचार प्रकाश में आया था। मार्च 1995 में हिंद महासागर रिम इनिशिएटिव अस्तित्व में आया और मार्च 1997 में इसे हिंद महासागर रिम एसोसिएशन नाम दिया गया। वर्तमान में इसके 23 सदस्य देश (ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कोमोरोस, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, केन्या, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, मोजाम्बिक, ओमान, सेशेल्स, सिंगापुर, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, यमन) और 11 संवाद भागीदार (चीन, मिस्र, सऊदी अरब, जर्मनी, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम तथा संयुक्त राज्य अमेरिका) हैं। IORA का सचिवालय मॉरीशस में है।

लुईस ग्लक

- नोबेल पुरस्कार विजेता और अमेरिकी कवयित्री लुईस ग्लक (80) का 23 अक्टूबर, 2023 को निधन हो गया। उन्हें वर्ष 2020 में साहित्य के नोबेल से सम्मानित किया गया था।

मार्टी अहतिसारी

- फिनलैंड के पूर्व राष्ट्रपति मार्टी अहतिसारी (86) का 16 अक्टूबर 2023 को निधन हो गया। वे वर्ष 1994 से 2000 तक फिनलैंड के राष्ट्रपति रहे थे। उन्हें वर्ष 2008 में अन्तरराष्ट्रीय संघर्षों को सुलझाने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था।

हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन

- हैती में सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करने, बुनियादी ढांचे की रक्षा और हिंसा को नियंत्रित करने हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (UNSC) ने अक्टूबर, 2023 में केन्या के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा मिशन (MSS) को मंजूरी दे दी है। ज्ञात हो कि करीब एक वर्ष से हैती को आंतरिक हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। यहां 'G9 एंड फैमिली' नामक गिरोहों के मुख्य ईंधन बंदरगाह और राजधानी शहर पोर्ट-ऑ-प्रिंस को बाधित कर दिया है।

इंटरनेशनल :-तंजानिया की राष्ट्रपति की भारत यात्रा

- तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन 8-10 अक्टूबर, 2023 को भारत यात्रा पर रहीं। वे यहां 10 अक्टूबर को भारत-तंजानिया व्यापार और निवेश मंच की बैठक में शामिल हुईं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता के बाद दोनों देशों के निम्न छह समझौतों/एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए- 1. डिजिटल समाधानों को साझा करना, 2. व्हाइट शिपिंग जानकारी साझा करना, 3. सांस्कृतिक आदान-प्रदान, 4. खेल के क्षेत्र में सहयोग, 5. तंजानिया में औद्योगिक पार्क की स्थापना, 6. समुद्री उद्योग। साथ ही भारत ने फरवरी, 2024 में फरीदाबाद में लगने वाले सूरजकुंड मेले के लिए तंजानिया को पार्टनर देश बनने के लिए निमंत्रण भी दिया।

श्रीलंका का नि:शुल्क वीजा पायलट प्रोजेक्ट

- श्रीलंका ने भारत सहित सात देशों (भारत, जापान, चीन, रूस, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड) के यात्रियों को नि:शुल्क पर्यटन वीजा जारी करने की नीति को 24 अक्टूबर, 2023 को मंजूरी प्रदान की है। देश में पर्यटन और विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है।

इंटरनेशनल निर्वाचन/नियुक्ति :-इन्द्रमणि पाण्डे

- वरिष्ठ राजनयिक इन्द्रमणि पाण्डे को 'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टैक्नीकल एंड इकोनॉमिक कॉरपोरेशन' (BIMSTES) का महासचिव नियुक्त किया गया है। वे इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय हैं। वे भूटान के तेनजिन लेकफेल का स्थान लेंगे।

- **BIMSTES:**-बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फोर मल्टी सेक्टोरल टैक्नीकल एंड इकोनॉमिक कॉरपोरेशन 7 देशों का क्षेत्रीय संगठन है जिसमें दक्षिण एशिया के पांच देश भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया के दो देश म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं। इसका गठन 6 जून 1997 को किया गया था। BIMSTES का सचिवालय ढाका में स्थित है।

2 राष्ट्रीय परिदृश्य

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड

- भारत सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य हल्दी उद्योग का विकास करना है।
- **भारत सबसे बड़ा उत्पादक:-** भारत विश्व में हल्दी सबसे बड़ा उत्पादक होने के साथ-साथ सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक देश हे। भारत की विश्व के कुल हल्दी उत्पादन में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है।
- **प्रमुख हल्दी उत्पादक राज्य :-** महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

- स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और ग्रामीण द्वारा 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2023 के बीच स्वच्छता ही सेवा (SHS) पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसका लक्ष्य इंडियन स्वच्छता लीग 2.0, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर और सामूहिक स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों के जरिए लोगों की भागीदारी को बढ़ाना है।
- **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी:-** शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट के उचित प्रबंधन के उद्देश्य से आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U) की शुरुआत की थी। इसके तहत देशभर में शहरों और कस्बों को स्वच्छ एवं खुले में शौच से मुक्त बनाना है। उल्लेखनीय है कि गत 9 वर्षों में देशभर में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं।
- **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 1.0:-** यह शहरी भारत को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाने पर केंद्रित रहा।
- **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 :-** वर्ष 2021-22 के केन्द्रीय बजट में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 की घोषणा की गई थी। इसका लक्ष्य ODF से आगे बढ़कर ODF+ और ODF++, तक जाना तथा शहरी भारत को कचरा-मुक्त बनाना है। इसमें स्थायी स्वच्छता प्रथाओं, अपशिष्ट प्रबंधन एवं चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा

- भारत निर्वाचन आयोग ने 9 अक्टूबर, 2023 को देश के पांच राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा की।

राजस्थान:- विधानसभा सीट - 200
- मतदान - 25 नवम्बर
- मतगणना - 3 दिसम्बर

छत्तीसगढ़:- विधानसभा सीट - 90
- मतदान - 7 व 17 नवम्बर
- मतगणना - 3 दिसम्बर

मिजोरम:- विधानसभा सीट - 40
- मतदान - 7 नवम्बर
- मतगणना - 3 दिसम्बर

तेलंगाना:- विधानसभा सीट - 119
- मतदान - 30 नवम्बर
- मतगणना - 3 दिसम्बर

मध्यप्रदेश:- विधानसभा सीट - 230
- मतदान - 17 नवम्बर
- मतगणना - 3 दिसम्बर

ऑपरेशन अजय

- इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के बाद भारत लौटने वाले नागरिकों की सहायता के लिए 11 अक्टूबर, 2023 से 'ऑपरेशन अजय' की शुरुआत की गई। अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए विशेष चार्टर उड़ानें जारी हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केन्द्र

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2023 को देश के पहले दिव्यांग स्टेडियम प्रशिक्षण केन्द्र 'अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केन्द्र' का उद्घाटन ग्वालियर में किया।

गुजरात का 'धोर्डो' सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव

- संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने गुजरात के धोर्डो को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का खिताब प्रदान किया है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में UNWTO द्वारा आयोजित बेस्ट टूरिज्म विलेज-2023 पुरस्कार समारोह में धोर्डो को यह खिताब मिला।

वन नेशन, वन स्टूडेंट आर्ड डी

- शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को विद्यार्थियों के लिए ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (Automated Permanent Academic Account Registry-APAAR) आईडी बनाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी किए है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्री-प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक के हर विद्यार्थी के लिए 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आर्डडी' का प्रावधान है। इसके तहत सभी विद्यार्थियों की 12 अंको की आईडी होगी जो उसकी शैक्षणिक योग्यता और उपलब्धियों को ट्रैक करेगी।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद में 'दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' कॉरिडोर के प्रथम खंड का उद्घाटन किया। यह देश का पहला रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) है। मोदी ने रैपिडेक्स ट्रेन में यात्रा की जिसे 'नमो भारत' नाम दिया गया है। ज्ञात हो कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम प्रथम चरण के तहत बनने वाले तीन गतियारों में से एक है। अन्य दो गलियारों में दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर शामिल हैं।
- इस परियोजना में उत्तराखंड के नैनीताल और उधम सिंह नगर जिलों और उत्तर प्रदेश के रामपुर और बरेली जिलों में 57065 हेक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई की परिकल्पना की गई है। परियोजना पर 14 मेगावॉट जल विद्युत उत्पादन के साथ-साथ हल्द्वानी और आस-पास के क्षेत्रों में 42.2 मिलियन क्यूबिक मीटर पेयजल का प्रावधान भी किया गया है।

चित्तौड़गढ़ में 7200 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ:-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चित्तौड़गढ़ में लगभग 7800 करोड़ की 9 परियोजनाओं के शुभारंभ घोषणा की।
- नाथद्वारा (राजसंमंद) में 'टूरिस्ट इंटरप्रिटेशन' एवं "कल्चरल सेंटर" का लोकार्पण किया।
- सांवलियां सेठ मंदिर में वाटर लेजर शो, टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर, एम्फीथिएटर, कैफेटेरिया, जैसी करोड़ों रूपये की सुविधाओं का शुभारंभ किया।

सम्मक्का सरक्का केन्द्रीय जनजातीय विश्व विद्यालय की स्थापना हेतु विधेयक को मंजूरी:-

- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आन्ध्रपदेश पुनगर्ठन अधिनियम, 2014 (विधेयक सं-6) की 13वीं अनुसूची के प्रावधानुसार तेलंगाना के मुलुग जिले में सम्मक्का सरक्का केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय हेतु विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में संशोधन करने हेतु केन्द्रीय विधेयक, 2003 संसद में पेश करने की मंजूरी दे दी।
- इसकी स्थापना हेतु 889.07 करोड़ की राशि प्रावधानित की गई।

मेरा युवा भारत

- MY BHARAT (MERA YUVA BHARAT) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं के विकास केलिए स्थापित एक स्वायत्त निकाय है
- यह कार्यक्रम युवाओं को कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक भागीदारी के अवसर प्रदान करता है

मेरा युवा भारत के प्रमुख उद्देश्य -

- युवाओं को उनके कौशल और क्षमताओं को विकसित करने में मदद करना।
- युवाओं को नेतृत्व भूमिकाओं में भाग लेने में अवसर प्रदान करना।
- युवाओं को अपने समुदायों व विकास में योगदान के लिए प्रेरित करना।

भारत का प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS):-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा RRTS (Regional Rapid Transit System) पर आधारित दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कोरिडोर के प्राथमिक खण्ड का शुभारंभ साहिबाबाद रैपिड स्टेशन (उ.प्र.) से किया।

- RRTS एक नई कंप्यूटर आधारित, सेमी हाई स्पीड, हाई फ्रिक्वेन्सी वाली रेल ट्रांजिट प्रणाली है।
- 180 कि.मी. की स्पीड वाली इस ट्रेन की डिजाईनिंग इंटरसिटी आवागमन के लिए कम समय एवं अधिक आवृत्ति की क्षमता विकसित करने हेतु की गई है।

सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट को डी नोवो डीम्ड यूनिवर्सिटी' घोषित किया -

- केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धमेन्द्र प्रधान द्वारा 166 वर्ष पुराने सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट को डीम्ड यूनिवर्सिटी घोषित किया।
- यह महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित एक मात्र डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी बनेगा तथा देश भर में 'डी नोवो' टैग वाली चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो जायेगा।

डी नोवो क्या है-?

- डी नोवो-(De-Novo) का अर्थ है " नए सिरे से", डीनोवो डीम्ड विश्वविद्यालय ऐसे संस्थान होते है जो - कला, विज्ञान या किसी अन्य विशिष्ट क्षेत्र में अत्याधुनिक शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित होते है। इन विश्वविद्यालयों को सरकार द्वारा विशेष दर्जा दिया जाता है, जिससे उन्हें पारम्परिक विश्वविद्यालयों की तुलना में अधिक स्वायत्ता और लचिलापन मिलता है।

तरल नैनो डीएपी संयंत्र का उद्घाटन:-

- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा कलोल (गांधीनगर, गुजरात) में तरल नैनो डीएपी संयंत्र का उद्घाटन किया गया।
- इसका निर्माण IFFCO द्वारा किया जायेगा।
- इसकी सर्वाधिक उपयोगिता यूरिया के उपयोग को कम कर भूमि की उर्वरता बनाये रखने में है।

तरल नैनो डीएपी क्या है ?

- तरल नैनो डीएपी एक नया प्रकार का उर्वरक है जो नैनो प्रौद्योगिकी का उपयोग करके बनाया जाता है। इसमें नाइट्रोजन और फास्फोरस के नैनो कण होते हैं, जो पौधों के लिए आसानी से उपलब्ध होते हैं। यह पारंपरिक डीएपी की तुलना में अधिक कुशलता से उपयोग किया जाता है और फसल की उत्पादकता में वृद्धि करता है।
- तरल नैनो डीएपी का उपयोग बीज उपचार या पत्तेदार छिड़काव के रूप में किया जा सकता है। बीज उपचार के लिए, बीज को 25 मिली नैनो डीएपी प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित किया जाता है। पत्तेदार छिड़काव के लिए, 200-400 मिली नैनो डीएपी प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव किया जाता है।
- तरल नैनो डीएपी का उपयोग विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए किया जा सकता है, जिनमें गेहूं, धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, सब्जियां और फल शामिल हैं।

भारत-बांग्लादेश संयुक्त विकास परियोजना :-

- भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के मध्य हुये तीन परियोजनाओं के समझौता कार्य पूर्ण होने पर वी.सी. द्वारा 1 नवम्बर 2023 को उद्घाटन किया गया।

भारतीय सहयोग से पूर्ण हुई ये परियोनाएं निम्न है-

- अखैरा-अगरतला क्रॉस बॉर्डर रेल सम्पर्क
- खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाईन
- मैत्री सुपर थर्मल बिजली संयंत्र इकाई-II
- मैत्री सुपर थर्मल पावर इकाई "बांग्लादेश-भारत मैत्री पावर कंपनी (प्राईवेट लिमिटेड) (BIFPCL) द्वारा क्रियान्वित की गयी है। यह NTPC और बांग्लादेश पावर डवलपमेंट बोर्ड का संयुक्त उद्यम है जिसमें दोनों की साझेदारी 50:50 है।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना /पी.एम .- अजय योजना (PM AJAY Scheme):-

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 3 केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं यथा -
- प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना)PMAGY) - यह एक 100% केन्द्र सरकार के अनुदान द्वारा प्रयोजित योजना है, जिसके तहत देश के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य किए जाते है। इस योजना के अन्तर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय वर्तमान में देशभर में कम से कम 50% जनजातीय आबादी वाले 36,428 गांवो और 500 अनुसूचित जनजातियों को 'आदर्श जनजातियों' के रूप में विकसित करने हेतु प्रयासरत है।
- अनुसूचित जाति उप योजना के लिए विशेष केन्द्रीय सहायता (SCA से SCSP - Special Assistance to Scheduled Castes Sub Plan)

- बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (BJRCY) को शामिल कर PM- अजय योजना प्रारंभ की गई।
- 2021-22 से लागू इस योजना अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कौशल विकास, रोजगार सृजन, गरीबी शमन तथा सामाजिकआर्थिक उत्थान - के लिए प्रारंभ किया गया था।

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों :-

- इस वित्तीय वर्ष में 1260 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया गया है।
- छात्रावास घटक के तहत 9 नए छात्रावासों को मंजूरी दी गई।
- अनुदान सहायता घटक के तहत राज्यों के परिपेक्ष्य मे यह योजना स्वीकृत की गई।

जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना :-

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की संसदीय समिति द्वारा "प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना "कार्यक्रम त्वरित सिंचाई लाभ - (AIBP- Accelerated Irrigation Benefit Programme) के तहत उत्तराखण्ड में जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना को मंजूरी दी।
- यह उत्तराखण्ड एवं उत्तरप्रदेश की संयुक्त परियोजना है।
- दोनों राज्यों के मध्य 2017 में समझौता हुआ था , जिसके अनुसार ही पेयजल व विद्युत पर उत्तराखण्ड का एकाधिकार होगा अथवा उत्तराखण्ड एवं उत्तरप्रदेश को सिंचाई के लिए जलापूर्ति की जाएगी।

त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP- Accelerated Irrigation Benefit Programme) -

- यह प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) का एक घटक है, जिसे प्रमुख/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को केन्द्रीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा 1996-97 में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसी परियोजनओं के कार्यान्वयन में तेजी लाना है , जो राज्यों की संसाधन क्षमता से परे थी या पूरा होने के उन्न्त चरण में थी।
- यह कार्यक्रम राज्य सरकारों को ऋण के रूप में पहचानी गई प्रमुख मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसकी स्थापना के बाद से AIBP के तहत वित्त पोषण के लिए 297 सिंचाई बहुउद्देशीय परियोजनाओं को शामिल किया गया है, इसमें से 143 परियोजनाएं पूरी हो चुकी है और 5 परियोजनाएं बन्द कर दी गई है।

3 आर्थिक परिदृश्य

नेशनल :- न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी

- केंद्र ने 2024-25 विपणन सत्र के लिए गेहूं और अन्य 5 रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में बढ़ोतरी की घोषणा की है।

राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना फंड़ (NIIF) ने लांच किया भारत - जापान फंड़

- NIIF- (National Investment and Infrastructure Fund) ने भारत सरकार और जापानी बैंक फॉर इंटरनेशनल कॉऑपरेशन के साथ - जापान का क्रमशः - साझेदारी जिसका अनुपात भारत 49:51 रहेगा।
- 600 मिलियन डॉलर के भारत-जापान फंड़ को लांच किया।
- इसका उद्देश्य भारत में जापानी निवेश की वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरणीय स्थिरता और निम्न कार्बन उत्सर्जन नीति पर निवेश पर फोकस करना है।

उज्ज्वला योजना सब्सिडी में वृद्धि की योजना-

- केन्द्र सरकार ने 14.2 किग्रा. घरेलु रसोई गैस सिलेण्डर पर रक्षाबंधन पर दामों की सब्सिडी में 200 रूपये की वृद्धि करते हुये अब सब्सिडी 300 रूपये कर दिया है। जिसमें 703 रूपये का सिलेण्डर अब 603 रूपये में मिल सकेगा।
- अब तक इस योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक कनेक्शन दिये जा चुके है एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस पर 6100 करोड़ खर्च हुए।

उज्जवला योजना के लाभ :-

1. स्वास्थ्य लाभ - रसोई गैस के उपयोग से खाना पकाने के लिए धुंए के संपर्क में कमी आती है, जिससे सांस की बीमारियों का खतरा कम होता है।
2. सुरक्षा लाभ - रसोई गैस पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन की तुलना में अधिक सुरक्षित है, जैसे कि लकडी या कोयला, जो आग का खतरा पैदा कर सकता है।
3. सामाजिक - आर्थिक लाभ - महिलाओं को खाना पकाने में लगने वाला समय कम हो जाता है, जिससे उन्हें शिक्षा, रोजगार या अन्य गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलता है।
4. आर्थिक लाभ - रसोई गैस सब्सिडी के माध्यम से गरीब परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

राजस्थान में वर्तमान में दिसम्बर 2023 तक लगभग 68 लाख उज्जवला एलकनेक्शन वितरित किए .जी.पी. जा चुके है।

योजनाएँ

पीएम स्वनिधि योजना (PM SVANidhi Scheme):-

- प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना शहरी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लिए एक सूक्ष्म ऋण योजना है।
- 1 जून 2020 से प्रारंभ इस योजना में शहरी वेडर्स को 50000 के तक का ब्याज 7% ब्याज सब्सिडी के साथ दिया जाता है।

चर्चा में रहने का कारण -:

- गत 3 वर्षों में 50 लाख से अधिक स्ट्रीट वेडर्स) शहरी) को इस योजना से जुडना वित्तीय समावेशन की मजबूती को प्रमाणित करता है।

4 राजस्थान परिदृश्य

चर्चित मुद्दे राजस्थान

प्रशासन शहरों के संग अभियान की अवधि में वृद्धि :-

- राजस्थान सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2021 से प्रारम्भ प्रशासन शहरों के सँग अभियान की अंतिम तिथि में पुन: परिवर्तन करते हुए इसकी अवधि में 6 माह की वृद्धि कर इसका समय 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया है।
- इससे पूर्व की समाप्ति अवधि 30 सितम्बर 2023 थीं।
- इसमें 10 लाख पट्टे जारी किये जाने का लक्ष्य था जिसमे से अब 9 लाख 35 हजार पट्टे जारी किये जा चुके हो।

रामसागर बांध :-

- राजस्थान की राजधानी जयपुर के नजदीक स्थित रामसागर बांध कमिकल युक्त पानी मिलने से प्रदूषित होता जा रहा है। सैकडो मछलियाँ मर चुकी हैं तथा पर्यटन भी प्रभावित हो रहा है।

IIIT कैंपस का उद्घाटन :-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रानपुर में (कोटा)120 करोड की लागत से IIIT (Indian Institute of Information Technology) के स्थाई कैम्पस का सांवलिया सेठ मे वर्चुअल उद्घाटन किया।
- केन्द्र सरकार ने 2011 में IIIT की कोटा में घोषणा की थी तथा 2013 में MNTT जयपुर में इसे प्रारंभ किया था।
- अब 10 साल बाद स्थाई कैम्पस का निर्माण हुआ है।

महात्मा गांधी पार्क का उद्घाटन :-

- सेवा संकुल आवासीय परिसर, RPA (Rajasthan Police Academy) शास्त्री नगर (जयपुर) में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास द्वारा गांधी जयंती पर महात्मा गांधी पार्क का उद्घाटन किया।
- हैरिटेज नगर निगम द्वारा इसे 50 लाख रुपये की लागत से विकासित किया गया।

15वीं विधानसभा के आखिरी सत्र का सत्रावसानः-

- राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा 2 अक्टूबर को विधानसभा के आखिरी सत्र का सत्रावसान किया।
- 15वीं विधानसभा में कुल 8 सत्र हुऐं एवं 8वाँ सत्र पूरे साल चलने के कारण विवादित मुद्दा रहा।
- 15वीं विधानसभा के तहत 147 दिन सदन चला जो 8वीं विधानसभा के बाद के 33 सालों में सर्वाधिक था क्योंकि 8वीं विधानसभा की कार्यवाही 180 दिन चली थीं।

राजस्थान ललित कला अकादमी की 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शिनी -:

- कला एवं संस्कृति मंत्री बी. डी. कल्ला ने राजस्थान ललित कला अकादमी परिसर में 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शिनी का उद्घाटन किया। इसमें 64 कलाकारों ने 79 कलाकृतियों का चयन कर इनमें से 10 को पुरस्कार दिया गया।

राजस्थान ललित कला अकादमी -:

- इसकी स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा 1957 में की गई।
- इसकी स्थापना का उद्देश्य क्षेत्रीय कला एवं कलाकारों को संबल एवं प्रोत्साहन प्रदान करना है।
- मुख्यालय जयपुर –

राजस्थान मिशन 2030 मास्टर प्लान विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन :-

- माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 5 अक्टूबर 2023 को कॉमर्स कॉलेज ग्राउण्ड इसका में (जयपुर) विमोचन किया गया।
- इसमें राजस्थान की प्रगति 10 गुना करने का मास्टर प्लान बनाया गया है।

विश्वस्तरीय सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल मैदान -

- फीफा के नियमानुसार विद्याधर नगर स्टेडियम में 13 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ फुटबॉल मैदान बनाया जायेगा।
- इसका निर्माण JDA द्वारा किया जा रहा है।

सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ क्या है?

- यह कृत्रिम घास का समतल मैदान होता है जिसमें कृत्रिम घास सामान्य घास की अपेक्षा मजबूत होती है एवं खेल के दौरान उखड़ती नहीं है।

अन्य सुविधाएँ -

- 400 meter सिंथेटिक एस्ट्रो ट्रेक
- डिस्क थ्रो एरिया
- 3000 दर्शको की दर्शक दीर्घा
- खिलाड़ियों का ड्रेसिंग रूम

राज्य पिछडा वर्ग आयोग में सदस्य सचिव व सदस्यो की नियुक्ति :-

- राज्य ओ.बी.सी. आयोग के जिला व सत्र न्यायधीश पद के सेवानिवृत भालाराम परमार को सदस्य सचिव पद पर नियुक्ति दी गई।

साथ ही 3 सदस्य -

(i) डॉ. सुरेन्द्र यादव (पूर्व प्राचार्य, विधिमहाविद्यालय अलवर)

(ii) ललित तूनवाल (प्रदेश कांग्रेस संगठन महासचिव)

(iii)राजेन्द्र सैन (कांग्रेस 0BC विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक) की नियुक्ति की गयी।

'राज्य' पिछडा वर्ग आयोग

- 16 नवम्बर 1992 के इन्द्रा सहानी वाद के बाद राज्य सरकार द्वारा 11 मार्च 1993 को OBC आयोग गठित किया।
- 21 अक्टूबर 2016 को इसे अधिसूचित कर 24 अक्टूबर 2016 को वैधानिक स्थायित्व दिया गया।

अम्बेडकर प्रतिमा एवं संविधान पार्क का अनावरण -

- कीरों की ढाणी (सांगानेर) में विधायक अशोक लाहोटी द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा और संविधान पार्क का अनावरण किया।
- मॉडल हेल्थ स्टेट राजस्थान के संदर्भ में कुल 1155 करोड की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।
- 5 अक्टूबर 2023 कॉमर्स कॉलेज (जयपुर से मुख्य अतिथि अशोक गहलोत द्वारा लगभग 1155 करोड़ की योजनाओ का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

शिलान्यास

(i) मेडिकल कॉलेज - राजसमंद, जालौर एवं प्रतापगढ

(ii)नर्सिंग कॉलेज- मसूदा (ब्यावर) रावतभाटा चितौडगढ़)) ।

लोकार्पण :

- साइक्लोजिकल काउन्सिलिंग सेंटर (SDM चिकित्सालय , जोधपुर ।

शुभारंभ :-

- चिरंजीवी एम्बूलेंस प्रोजेक्ट के तहत 200 नवीन एम्बूलेंसों का शुभारंभ।

अग्रसेन कल्याण बोर्ड के गठन की स्वीकृति-

- अग्रसेन समाज की मांग पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा 5 सदस्यीय अग्रसेन कल्याण बोर्ड के गठन की मंजूरी दी।
- इनमें 5 गैर सरकारी सदस्य शामिल होगे।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य 3

- इसमें संस्कृत शिक्षा विभाग - वाणिज्य कर विभाग उद्योग विभाग,
- ग्रामीण पंचायती राज विभाग, श्रम, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के शासन सचिव, आयुक्त, निदेशक और उनके प्रतिनिधि सरकारी सदस्य के रूप में शामिल होगें।

जोधपुर में 5900 करोड़ की 18 परियोजनाओं का लोकार्पण, शुभारंभ एवं शिलान्यास :-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 5 अक्टूबर को रेजीडेंसी रोड जोधपुर), राजस्थान) में 590 करोड की परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं शुभारंभ किया।

लोकार्पण -

(i) भारतीय प्रौद्योगिकी संसंधान (IIT) जोधपुर का स्थाई परिसर

- यह 852 एकड में फैला प्रदेश का प्रथम IIT है।

(ii) राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में (अजमेर)

- एजुकेशन स्कूल एवं योग विज्ञान भवन (लागत 7 करोड़)

शिलान्यास

(i) नवीन टर्मिनल - उदयपुर एयरपोर्ट

(ii) एडवांस ट्रोमा एवं क्रिटिकल केयर ब्लॉक (AIIMS जोधपुर)

शुभारंभ:-

(i) जैसलमेर - दिल्ली नई रेल सेवा पश्चिमी राजस्थान :- का देश की राजधानी में सीधा संपर्क

(ii) मारवाड जंक्शन : कामली घाट हैरिटेज रेल सेवा -- पर्यटन विकास में वृद्धि का प्रयास

राज्य की प्रथम विस्टाडोम हेरिटेज ट्रेन का शुभारंभ -

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जोधपुर से इसका वर्चुअल उद्घाटन किया।
- पाली जिले के गोरमघाट से प्रदेश की प्रथम विस्टाडोम हेरिटेज ट्रेन का शुभारंभ हुआ।
- यह ट्रेन टॉडगढ - रावली अभ्यारण्य से गुजरेगी तथा भील बेरी झरना भी इससे देख सकेंगे।
- यह ट्रेन स्टीम इंजन पर संचालित है।

रोड़वेज मासिक पास में महिलाओं को छूट -:

- विजन 2030 के तहत CM अशोक गहलोत द्वारा कामकाजी महिलाओं को मासिक पास पर 90% की छूट की घोषणा की।
- अब उन्हें मात्र 10% राशि का ही वहन करना होगा।

श्रमण संस्कृति बोर्ड में नियुक्तिः -

- राजस्थान सरकार ने 5 सदस्यीय श्रमण संस्कृति बोर्ड में नियुक्ति प्रदान की जो निम्न प्रकार है -

  (i) अध्यक्ष - सुंधाशु कासलीवाल

  (ii) उपाध्यक्ष - प्रकाश सिंघवी

  (iii)सदस्य - (a) अशोक पाटनी
  (b) दिनेश खोड़निया
  (c) मनीष मेहता

- इनका कार्यकाल 3 वर्ष तक रहेगा।

गो सेवा सम्मेलन (मानसरोवर, जयपुर) :-

- गोसेवा सम्मेलन के आयोजन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिरकत की तथा निम्न घोषणाएं की -

  (i) तीन नए जिलो की घोषणा - मालपुरा, सुजानगढ़, कुचामण (अब जिलों की संख्या 53 हो गई है।)

  (ii) जातिगत जनगणना करवाने की घोषणा।

  (iii)'राजस्थान राज्य कृषक ऋण राहत योजना आयोग' का गठन।

(iv) 'श्री करणी चारण एवं डिंगल साहित्य शोध संरक्षण एवं विकास बोर्ड' गठन को स्वीकृति।

राजस्थान राज्य कृषि ऋण राहत आयोग अधिनियम 2023:-

- अध्यक्षता - उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायधीश
- सदस्य - कृषि विशेषज्ञ शामिल

कार्य -

(i) किसानों की जमीनों की निलामी पर रोक लगाना।

(ii) ऋणग्रस्त किसानों एवं वित्तदाता संस्थाओं के मध्य विवादों का

(iii)मध्यस्थता द्वारा समाधान करना।

(iv) आपदाग्रस्त जिलों में किसानों को सहायता।

भरतपुर नगर निगम द्वारा 100 करोड का म्यूनिसिपल बाँड जारी:-

- भरतपुर नगरनिगम कोराज्य सरकार द्वारा 100 करोड रूपये के म्यूनिसिपल बाँड जारी करने की अनुमति प्रदान की।
- भरतपुर नगरनिगम इस तरह का बांड जारी करने वाली राजस्थान की पहली नगर निकाय है।
- म्यूनिसिपल बाँड – ये राज्य या स्थानीय सरकारों द्वारा जारी ऋण प्रपत्र होते हैं जिनका उपयोग बाजार से पूंजी प्राप्त करने हेतु किया जाता है। इसके बदले बाँड धारक को ब्याज दिया जाता है जो कर मुक्त होता है। ये बाँड भारत में सर्वप्रथम 1997 में जारी हुए। 2005 में बंद होने के बाद 2015 में सेबी ने इन्हें पुनर्जीवित किया।

राजस्थान में चुनावी घोषणा -:

- चुनाव आयोग द्वारा 23 नवम्बर को चुनाव की तारीख निश्चित की जिसे बाद में बदलकर 25 नवम्बर किया।
- इसी के साथ राज्य में आचार संहिता लागू हो गई।
- 1 नवम्बर से नामांकन प्रारंभ होगें।

राज्य के प्रमुख बोर्डों के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति-

1. RPSC में सदस्यों की नियुक्ति -
   (i) कैलाश चंद मीना
   (ii) प्रो. अयूब खान
2. राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड - (i) सज्जन पोसवाल
   (ii) डॉ रिपुंजय सिंह .
3. वीर तेजानी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष -
   अध्यक्ष रीछपाल मिर्धा -
   उपाध्यक्ष दिनेश कस्वां -
   सदस्य - 7

4. आर्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड (अध्यक्ष)- देवेन्द्र सिंह बुटाटी
5. स्थापत्य कला बोर्ड (अध्यक्ष) - मुकेश वर्मा
6. अग्रसेन कल्याण बोर्ड (अध्यक्ष) - राकेश कुमार गुप्ता
7. पशुपालक कल्याण बोर्ड (अध्यक्ष)- गोदाराम देवासी
   (उपाध्यक्ष)- सुखदेव देवासी
8. वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड
   (अध्यक्ष)-लालसिंह झाला
   (उपाध्यक्ष)- रघुवीर सिंह राठौड

कोटा रिवर फ्रंट पर NGT का नोटिस -:

- कोटा के चम्बल रिवर फ्रंट को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रब्यूनल ने नोटिस जारी कर UIT कोटा से 4 सप्ताह में जवाब मांगा है।

कारण :-

- राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य के क्षेत्राधिकार में होने के बावजूद बिना पर्यावरणीय मंजूरी के कार्य प्रारंभ किया गया जो कि पर्यावरण व वन्यजीवों को खतरा उत्पन्न करता है।"
- इस कारण NGT द्वारा कोटा कलेक्टर, केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड, राजस्थान जल संसाधन विभाग और राजस्थान जैव विविधता बोर्ड से एक-एक प्रतिनिधि को शामिल कर एक कमेटी बनाकर रिपोर्ट देने को कहा।
- जिसकी नोडल ऐजेंसी राजस्थान पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड रहेगी।

राजस्थान

जन सम्मान उत्सव जन सम्मेलन -

- 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर JECC, सीतापुरा, जयपुर में जनसम्मान उत्सव जन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विधानसभा चुनावों की खर्च सीमा तय -:

- राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों हेतु खर्च सीमा तय कर दी गई।
- 2018 में चुनावी खर्च सीमा 28 लाख रू थी ,जिसमें 20% की वृद्धि कर इसे 2023 के लिए 40 लाख रुपये किया गया है।
- इसमें 135 सामग्रियों की रेट लिस्ट जारी की है।

प्रत्याशियों द्वारा किये जाने वाले सामान्य खर्च -

- कार्यकर्त्ताओं के चाय - 5 रू
- सामोसा - 12रू
- प्रत्याशी द्वारा पहने जाने वाली माला - 20रू
- लंच व डिनर -60रू
- 52 सीटर बस किराया - 10,500 रू etc.

राजस्थान में नगरीय निकायों की संख्या में वृद्धि -

- राजस्थान में मई 2022 तक 213 नगरीय निकाय थे। राजस्थान ने 39 नए नगरीय निकायों का गठन किया , जिससे इनकी वर्तमान संख्या बढ़कर 252 हो गई।
- राज्य में नगर निगम की संख्या 10 हो गई है।

राजस्थान के नगरीय निकायों के अध्यक्षों के भत्तों में वृद्धि -

- राज्य सरकार के आदेशानुसार नगर निगम, नगर परिषद एवं नगरपालिकों के अध्यक्षों के मासिक भत्तों में 20% की वृद्धि की गई।

पूर्व मासिक भत्ता	वर्तमान मासिक भत्ता
नगर निगम	24000 रू
	27000 रू
नगर परिषद	14400 रू
	16560 रू
नगर पालिका	9000 रू
	10350 रू

26 वां लोकरंग महोत्सव :

- जवाहर कला केन्द्र (जयपुर) में 11 दिवसीय लोक रंग महोत्सव प्रस्तुति का आगाज हुआ।
- इसमें 8 राज्यों से आये कलाकारों ने विभिन्न विधाओं पर प्रस्तुति दी।

धौलपुर - करौली टाईगर रिर्जव

- इस टाईगर रिजर्व में बाघों के कुनबे में लगातार हो रही वृद्धि के परिणामस्वरूप यह राज्य में तीसरे स्थान पर आ गया है।
- यहाँ बाघों का कुनबा बढ़कर 10 हो गया है।
- राज्य में अब 120 से अधिक बाघ - बाघिन है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा महंगाई भत्तों को मंजूरी -:

- राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार द्वारा महंगाई भत्ता बढाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी हैं।
- अब इसमें 4% की वृद्धि के साथ भत्ता 42% में बढकर 46 प्रतिशत हो गया है।

- इससे 8 लाख कर्मचारियों एवं 4.5 लाख पेंशनर्स को लाभ मिलेगा।

जूनोटिक बीमारियों के नियंत्रण हेतु 'स्टेट वन - हेल्थ एक्शन प्लान' -

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंटोल और यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंटोल एवं प्रिवेंशन संस्थानों के संयुक्त तत्वाधान में एक "मल्टी सेक्टरल कंसल्टेंशन" कार्यशाला आयोजित हुई।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने जयपुर में आयोजित इस कार्यशाला में कहा कि राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों तथा तकनीकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा मिलकर देश के प्रथम 'राजस्थान स्टेट वन - हेल्थ एक्शन प्लान' की रूपरेखा तैयार करेंगें।

शरद रंग महोत्सव -

- डेल्फिक काउंसिंल ऑफ राजस्थान और जोनल कल्चर सेंटर, पटियाला के द्वारा संयुक्त रूप से जवाहर कला केन्द्र में इसका आयोजन किया गया।
- यह कार्यक्रम तीन दिवसीय था।

नई नवीकरणीय ऊर्जा पॉलिसी - 2023

- 6 अक्टूबर को प्रदेश में नई नवीकरणीय ऊर्जा 2023 नीति लागू की गयी।

प्रावधान -

1. 2030 तक सोलर में त्पादन मेगावाट उ 65000 लक्षित है।
2. विंड एनर्जी में मेगावाट उत्पादन 15000 तक 2030 लक्षित है।
3. जल विद्युत में मेगावाट उत्पादन 10000 तक 2030 लक्षित है।

राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली -

- 29 अगस्त 1949 को स्थापित हुए राजस्थान उच्च न्यायालय के सफलतापूर्वक 75 वीं वर्षगांठ पर JECC (सीतापुरा, जयपुर) में आयोजन हुआ।
- जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश डी.वाई. चन्द्रचूड, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्याधीश ए.जी. मसीह एवं सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी शामिल हुए।
- इस अवसर पर लोंगों -"सत्य की जय हो' तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के अब तक के सभी न्यायाधीशों की डिजीटल गैलरी लांच की गई।

आभानेरी उत्सव का प्रारंभ-

- आभानेरी महोत्सव बावड़ी के अंदर एक उत्सव
- पर्यटन विभाग एवं दौसा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आभानेरी (बांदीकुई, दौसा) में दो दिवसीय आभानेरी उत्सव का आयोजन हुआ।
- यहां हर्षत माता मंदिर भी अवस्थित है।

गढगणेश ऑटोमैटिक रोपवें-

- गढ़ गणेश (मंदिर ब्रह्मपुरी), जयपुर में मंदिर रोपवे का भूमि पूजन महंत प्रदीप औदिच्य द्वारा किया गया।
- यह रोपवे शिवम प्राइम इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।
- यह 2 साल में बनकर तैयार हो जायेगा।

RPSC द्वारा राज्य सेवा पदों में बढोतरी -

- राजस्थान राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा RAS भर्ती परीक्षा 76 के लिए एक अधिसूचना जारी कर 2023 पदों की बढोतरी की गयी है।
- अब पदों की संख्या 905 से बढकर 972 हो गयी है।

बहू-बेटी न बहन, अब हो दहेज का दहन -

- राजस्थान पुलिस द्वारा महिला अत्याचारों के खिलाफ एक अनोखा कैम्पेन चलाया गया।
- जिसमें वह आमजन को सोशल मीडिया पर फ़िल्मी गानों, शायरी, पंचलाईन, संवाद आदि द्वारा जागरूक करने का प्रयास कर रही है।

नाहरगढ जैविक पार्क में आया शेर-शेरनी का नया जोडा -

- नाहरगढ जैवक उद्यान (जयपुर) में गुजरात के शक्करबाग चिडियाघर से ऐशियाटिक बब्बर शेर-शेरनी का एक नया जोडा लाया गया।

5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

सरस और सम्पन्न पोर्टल :-

- महानियंत्रक संचार लेखा कार्यालय ने 'भारतीय मोबाईल कांग्रेस - 2023" में दूरसंचार लाइसेंस धारकों और पेंशन भोगियों के लिए अपने सरस और सम्पन्न पार्टल का प्रदर्शन किया।
- सरस पोर्टल - SARAS (सरस) दूरसंचार लाइसेंस धारियों के लिए भारत के दूरसंचार विभाग, (DoT) को अपने राजस्व के रिपोर्ट करने और भुगतान करने के लिए एक पोर्टल है। यह लाईसेंस शुल्क संग्रह, स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क, लाईसेंस समझौते, डीवीआर जमा करने और अन्य राजस्व मामले पर जानकारी प्रदान करता है।
- यह पोर्टल एक वेब आधारित एप्लिकेशन है, जो लाईसेंसधारियों को ऑनलाईन भुगतान करने के लिए डिजीटल रूप से फाईल करने, स्टेटमेन्ट, बैंक गारंटी विवरण इत्यादि सत्यापित करने में सक्षम बनाता हैं।
- सम्पन्न पोर्टल - इसके द्वारा दूरसंचार विभाग के 4 लाख रूपये से अधिक पेंशनभोगियों को हर महिने 1237 करोड़ रूपये की पेंशन राशि का वितरण किया जा रहा है।

एक्स., यूट्यूब और टेलीग्राम को नोटिस जारी -:

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा I.T. Rule 2021 के नियम 3(1)(B) और नियम 4(4) के उल्लंघन के अनुसार में एक्स, यूट्यूब और टेलीग्राम को बाल यौन शोषण सामग्री को हटाने की चेतावनी के साथ नोटिस जारी किया।
- यदि ये तत्काल कार्यवाही नहीं करते है तो I.T. Act की धारा 79 के तहत उनका सुरक्षित आश्रय रद्द कर दिया जाएगा व आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

I.T. Act में सुरक्षित आश्रय क्या है ?

- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2021 की धारा 79 में सुरक्षित आश्रय उन्मुक्तिखंड के अन्तगर्त एक मध्यस्थ को उसके मंच पर तीसरे पक्ष की सामग्री के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने से बचाता है - बशर्ते कि मध्यस्थ ने निर्धारित 'उचित नियमों' का पालन किया है।

रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन -:

- Miety [इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय] ने फ्यूचर स्किल प्राईम परियोजना के अंतर्गत NIELIT (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) गोरखपुर (U.P) में उत्तरप्रदेश की प्रथम रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन किया गया।
- इसे उद्योग एवं शिक्षा के मध्य खाई पाटने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।
- यह प्रयोगशाला देश को एक वैश्विक प्रौद्योगिकी पावर हाऊस में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है।

फ्यूचर स्किल प्राईम परियोजना -

- फ्यूचर स्किल प्राईम एक अभिनव और विकासवादी परिस्थितिकी तंत्र है जिसे आज के तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य में शिक्षार्थियों को आवश्यक अत्याधुनिक कौशल से लेंस करने के लिए डिजाईन किया गया है, हमारे उद्योग समर्थित नैसकाम (NASSCOM) प्रमाणन कार्यक्रम राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (NoS - National Occupational Standards) और राष्ट्रीय कौशल योगयता फ्रेमवर्क) (NSQF – National Skills Qualification Frame work) के साथ संरेखित है, जो शिक्षार्थियों को उन मांग वाले कौशल हासिल करने में सक्षम बनाता है जिन्हें नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

क्वाटंम एआई और सेमीकंडक्टर पर IBM के साथ समझौता -:

- IBM समूह से समझौते का उद्देश्य AI आधारित राष्ट्रीय रणनीति को तेज करना, सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय क्वाटंम मिशन को आगे बढ़ाना है।

इसके लिए IBM ने Meity के संबद्ध तीन संस्थाओं में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किये -

(i) IBM - India, AI:- विश्व स्तरीय राष्ट्रीय एआई इनोवेशन प्लेटफॉर्म स्थापित कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता में विकसित होना।

(ii) IIBM - सेमीकंडक्टर रिसर्च सेंटर :- इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के नॉलेज पार्टनर के रूप में बुनियादी ढांचे को विकासित करना।

(iii)IBM-C-Dac :- क्वांटम कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी के स्तर को बढाकर राष्ट्रीय क्वाटंम मिशन की प्रगति को तीव्र करना।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन – इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM – India Semi conductor Mission) डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के भीतर एक विशेष और स्वतंत्र बिजनेस डिवीज़न है। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजाइन के वैश्विक केन्द्र के रूप में उभरने में सक्षम बनाने के लिए एक जीवंत अर्धचालक और प्रदर्शन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। ISM के पास सेमीकंडक्टर और डिस्पले विनिर्माण इकाइयों के विकास के साथ-साथ सेमीकंडक्टर डिजाइन वातावरण के लिए भारत की दीर्घकालिक योजनाओं को बढ़ावा देने और वित्तीय और प्रशासनिक स्वतंत्रता है।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन – राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (National Quantum Mission) क्वांटम प्रौद्योगिकी में अनुसंधान क्वांटम और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सरकारी पहल है। मिशन का बजट रु 6003.65 .करोड़ और अवधि आठ साल है। मिशन का लक्ष्य भारत को क्वांटम प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगी में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है। यह मिशन डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और सतत विकास जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों का भी समर्थन करता है।

ए आई सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2023 :-

- इसका सम्मेलन 1-2 नवम्बर 2023 को ब्रिटेन के बर्किंघम के बैलेचले पार्क में आयोजित होगा।
- ब्रिटेन सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, आयरलैंड, इटली, केन्या, सऊदी अरब, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न देशों के मंत्रियों व प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाया जायेगा।
- भारत की ओर से केन्द्रीय कौशल विकास, उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आई.टी. राज्यमंत्री श्री राजीव शेखर जी ने भाग लिया।

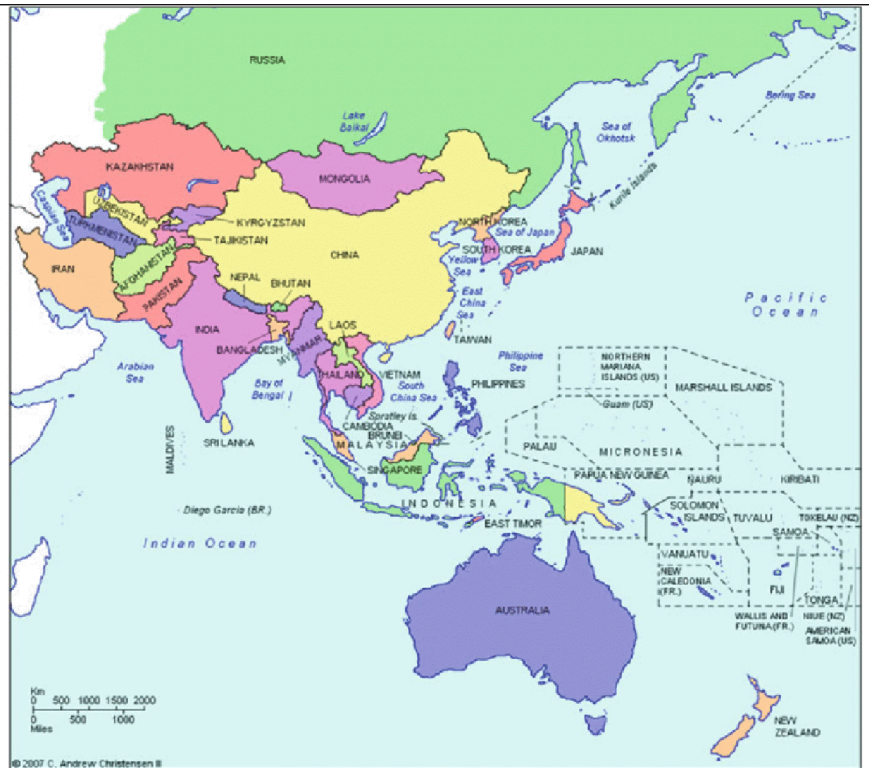

भारत करेगा एशिया फिक पैसि-इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डवलपमेंट (AIBD – Asia – Pacific Institute for Broadcasting Development) की अध्यक्षता -:

भारत को लगातार तीसरी बार AIBD के अध्यक्ष चुना गया है। इससे पूर्व भारत 2018-21 तथा 2021-23 के लिए अध्यक्ष रह चुका है।

AIBD :- यह यूनेस्कों के तत्वाधान में स्थापित एक विशिष्ट क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1977 में हुई थी।

भारत इसका संस्थापक सदस्य है।

AIBD के उद्देश्य –

1. नीति और संसाधन विकास के माध्यम से एशियानिक मीडिया प्रशांत क्षेत्र में एक जीवंत और सामंजस्यपूर्ण इलेक्ट्रॉ-वातारण प्राप्त करना।
2. क्षेत्रीय नीति निर्माताओं को दुनिया भर में मास मीडिया नीति निर्माण और विनियमों की जानकारी तक पहुंचने के लिए एक खिड़की प्रदान करना और उनसे जानकारी लेना भी इसका लक्ष्य है।
3. मीडिया और संचार विकास के लिए अंतरसंपर्क और सहयोग स्थापित करना। क्षेत्रीय-
4. क्षेत्रीय प्रोग्रामिंग विकसित करना जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के पारंपरिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करेगा।

R-21/ मैट्रिक्स- M:-

- भारत के सीरम इंस्टीट्यूट और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटि द्वारा मलेरिया की रोकथाम हेतु एक टीका विकसित किया गया।
- जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वीकृत कर उसकी सिफारिश की गई।
- R-21 Matrix – M वैक्सीन प्लाजमोडियम स्पोरोजाइट पर केन्द्रित है, जो मानव शरीर में प्रवेश करने पर मलेरिया परजीवी का प्रारंभिक चरण है।
- जब मलेरिया परजीवी ले जाने वाला एनोफिलिस (Anopheles) मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है, तो यह परजीवी को रक्तप्रवाह में पहुंचा देता है, जहां यह अपने जीवन चक्र में विभिन्न परिवर्तनों से गुजरता है। इस जीवन चक्र की जटिलता ने पिछले कुछ वर्षों में मलेरिया के टीके के विकास के लिए चुनौतियां खड़ी की हैं।
- आर 21 मैट्रिक्स-एम टीका विशेष रूप से 'प्लाजमोडियम स्पोरोजोइट' को लक्षित करता है, जो मानव मेजबान में प्रवेश करने पर मलेरिया परजीवी का सबसे प्रारंभिक रूप है। मच्छर के काटने के दौरान परजीवी के बढ़ने से पहले थोड़ी संख्या में (10-100) स्पोरोजाइट्स का इंजेक्शन लगाया जाता है। यह केवल स्पोरोजाइट्स को टीके के लिए एक आदर्श लक्ष्य बनाता है।

मलेरिया उन्मूलन के लिए भारत द्वारा किए गए प्रयास –

- मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017) मलेरिया नियंत्रण से उन्मूलन पर ध्यान केन्द्रित किया और 2022 तक भारत के 678 जिलों में से 571 जिलों में मलेरिया को समाप्त करने के लिए एक रोडमैप प्रदान किया।
- **मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन** – भारत (MERA - India) – मलेरिया नियंत्रण पर काम करने वाले भागीदारों का एक समूह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा स्थापित।
- **मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय ढांचा** – मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय ढांचा (NFME - 2016-2030), 2030 तक इस बीमारी के उन्मूलन के लिए भारत की रणनीति की रूपरेखा तैयार करता है।

रक्षा

भारतीय तटरक्षक जहाज 'समुद्र पहरी' इंडोनेशिया पहुँचा -:

- समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया पहल के रूप में भारतीय प्रदूषण नियंत्रक जहाज "समुद्र पहरी" राष्ट्रीय क्रेडिट कोट के कैडेडस के साथ इंडोनेशिया के तुजुंग प्रोक बंदरगाह पहुंचा। इसके द्वारा 'पुनित सागर अभियान' को अंतर्राष्ट्रीय पहुँच मिलेगी।

पुनीत सागर अभियान -

- यह एनसीसी (NCC) द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख अभियान है।
- इस अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक और अन्य कचरे को हटाकर समुद्री तटों या समुद्र तटों, नदियों और झीलों सहित अन्य जल निकायों को साफ करना है।
- इसे दिसंबर 1, 2021 को शुरुआत में एक महीने के लिए लॉन्च किया गया था। यह अभियान समुद्र तटों और नदी तटों को साफ रखने के तहत्व के बारे में स्थानीय आबादी के बीच जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास करता है।

मलेशिया के पोर्ट क्लांग' में प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन:-

- द. पू. एशिया में ट्रेनिंग गतिविधियों व प्रशिक्षण आदान-प्रदान हेतु भारतीय नेवी के जहाज INS तीर, INS सुजाता, ICGS साथी पोर्ट क्लांग (मलेशिया) पहुंचे।
- इसमें रॉयल मलेशियाई नेवी के साथ प्रशिक्षण, सामुदायिक बातचीत, क्रॉस डेक दौरे आदि अभ्यास किये गये।
- मलेशिया के साथ सैन्य अभ्यास - हरिमऊ शक्ति (Ex - Harimau Shakti)

संप्रति XI :-

- भारत - बांग्लादेश के मध्य एक वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है जो उमराई में सम्पन्न हुआ। (मेघालय)
- इसकी शुरुआत जोरहाट से (असम)2009 में की गई, वर्तमान में इसका 11 वाँ संस्करण संपन्न हुआ।
- बांग्लादेश के साथ अन्य सैन्य अभ्यास – बोंगोसागर अभ्यास (Ex - Bongosagar)

सिंगापुर के चांगी के दौरे पर प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन:-

- भारतीय नौसेना के युवाओं को प्रशिक्षित करने एवं मैत्री सेतु निर्माण हेतु प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन INS तीर, INS सुजाता, INS सुदर्शिनी और ICGS सारथी ने चांगी पोर्ट (सिंगापुर)वेश कियामें प्र ।
- सिंगापुर के साथ सैन्य अभ्यास – बोल्ड कुरुक्षेत्र (Bold Kurukshetra), सिटमैक्स (SITMEX)

भारतीय वायुसेना का नवीन चिन्ह :-

- 8 अक्टूबर 2023 को भारतीय वायुसेना (IAF) द्वारा अपना नवीन चिन्ह अपनाया गया
- IAF के नवीन चिन्ह में क्रस्ट के शीर्ष पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिन्ह और उसके नीचे देवनागरी में 'सत्यमेव जयते' लिखा है , अशोक चिन्ह के नीचे एक हिमालयन ईगल है जिसके पंख फैले हुए हैं , जिसे हरे रंग की एक वलय ने घेरा हुआ है, जिस पर भारतीन 'वायुसेना' लिखा है।
- हिमालयन ईगल के नीचे आदर्श वाक्य 'नभ: स्पृशं दीप्तम्' लिखा हुआ हैं जो कि भगवत गीता के 11 वें अध्याय के 24वें श्लोक से लिया गया है जिसका तात्पर्य "वैभव के साथ आकाश को छूता हैं।"

वार्षिक संयुक्त एच.ए. डी. आर अभ्यास (चक्रवात) 2023 :-

- 2015 में प्रारंभ यह तीन दिवसीय अभ्यास एक बहु एजेंसी प्रयास के रूप मे तीनों सेवाओं यथा - अर्द्धसैनिक बलों, आपदा प्रतिक्रिया संगठनों, गैर सरकारी संगठनों शैक्षणिक संस्थानों, एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी को समेटे हुए है।
- यह अभ्यास 9 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक भारतीय नौसेना द्वारा गोवा में आयोजित किया गया।
- इसमें केन्द्रीय जल आयोग, फिक्की, DRDO तीनों भारतीय सेनाएं एवं अन्य संगठन शामिल हुए।
- उद्देश्य - मानवीय सहायता एवं आपदा राहत HADR)

INS सागर ध्वनि:-

- यह DRDO का समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत हैं , जो कि दक्षिणी नौसेना कमान (कोच्ची) से 2 माह हेतु 'सागर मैत्री मिशन - 4' हेतु रवाना हुआ।
- इसका उद्देश्य हिंद महासागरीय रिम देशों के साथ दीर्घकालिक वैज्ञानिक साझेदारी स्थापित करना है।
- सागर मैत्री मिशन - यह एक DRDO की अनूठी पहल है जिसका व्यापक उद्देश्य क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा व विकास (SAGAR - Safety and Growth for all in the Region) है, जिसका उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक पहलुओं में घनिष्ठ सहयोग के साथ-साथ विशेष रूप से हिन्द महासागर के बीच समुद्री अनुसंधान में अधिक वैज्ञानिक बातचीत को बढ़ावा देना है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंडमान सागर पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 'महासागर अनुसंधान एवं विकास' और डेटा संग्रह के क्षेत्र में IOR के आठ देशों (ओमान, मालदीव, श्रीलंका, थाइलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और म्यांमार) के साथ दीर्घकालिक वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करना भी है।

इंडियन ओशियन रिम एसोसिएशन (IORA - Indian Ocean Rim Association) -

- यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसमें हिंद महासागर की सीमा से लगे देश शामिल हैं। 23
- इस संगठन की स्थापना 1997 में हिंद महासागर क्षेत्र के भीतर क्षेत्रीय सहयोग और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

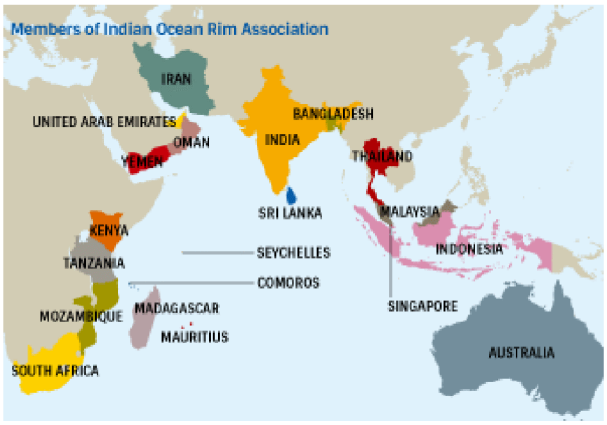

- IORA एक त्रिपक्षीय मंच है जो सरकार, व्यापार और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को उनके बीच सहयोग और घनिष्ठ संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाता है। संगठन आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, विशेष रूप से व्यापार सुविधा और निवेश प्रोत्साहन के साथसाथ क्षेत्र के सामाजिक विकास के सिद्धांतों पर - आधारित है।
- IORA का मुख्यालय एबने, मारीशस में स्थित है।

तटीय सुरक्षा अभ्यास पूर्वी तट सागर कवच -2023 :-

- आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू और U.T. पुडुचेरी में सभी सुरक्षा एजेंसियों के लगभग 2500 कार्मियों के सहयोग से भारतीय नौसेना द्वारा पूर्वी तट सागर कवच अभ्यास प्रारंभ किया।
- इसका उद्देश्य समुद्री खतरे की स्थिति में सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता एवं सुदृढता का आंकलन करना है।

INS सुमेधा :-

- भारत नाईजीरिया के राजनायिक संबंधों को मजबूत करने एवं समुद्री व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गिनी की खाड़ी में नाईजीरिया के लागोस में INS सुमेधा की तैनाती की गई हैं।
- INS तरकश के बाद गिनी की खाड़ी में समुद्री डकैती नियंत्रण हेतु यह दूसरी तैनाती हैं।

INS ब्यास :-

- भाप से संचालित ब्रह्मपुत्र श्रेणी के युद्धपोत को डीजल संचालित में अपग्रेड करने हेतु भारतीय रक्षा मंत्रालय एवं कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने अनुबंध किया है। इसे 2026 तक भारतीय नौसेना में शामिल किया जाना प्रस्तावित हैं।
- यह अनुबंध मेक इन इंडिया पहल द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पहले भारतीय तटरक्षक प्रशिक्षण जहाज के निर्माण हेतु अनुबंध :-

- रक्षा मंत्रालय एवं मझगांव डॉक एंड शिपबिल्डर्स लिमिटेड (मुम्बई) द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत 310 करोड़ रु. की लागत से एक तटरक्षक प्रशिक्षण जहाज निर्माण हेतु अनुबंध हस्ताक्षरित हुआ। यह एकीकृत हेलीकॉप्टर क्षमता (Integral helicopter capabilities) के साथ प्रथम समर्पित प्रशिक्षण मंच है, जो 10 तटरक्षक बल और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षु अधिकारियों को बुनियादी समुद्री प्रशिक्षण प्रदान करने तथा उन्नत सतर्कता प्रणाली को सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

'इम्फाल डिस्ट्रॉयर' भारतीय नौसेना में शामिल -:

- प्रोजेक्ट 15B के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा 156 क्लास गाइडेड मिसाईल डिस्ट्रॉयर "12706 इम्फाल' का तीसरा स्टील्थ (गुप्त) विध्वंसक हैं।
- यह ब्रह्मोस व बराक-8 मिसाईल से लैस हैं।
- यह पनडुब्बी रोधी हथियारों और सेंसरों से सुज्जित हैं।
- प्रोजेक्ट 15B - इस प्रोजेक्ट के तहत भारतीय द्वारा चार अलगअलग विध्वंसक युद्धपोतों का निर्माण और - कमीशन किया जाना है।
- पहला युद्धपोत - आईएनएस विशाखापटनम, अक्टूबर, 2013 में नींव डालने के बाद अप्रैल में 2015 लॉन्च किया गया था। विशाखापटनम ने दिसंबर 28 में अपना नदी परीक्षण पूरा किया और 2020 अक्टूबर, 2021 को भारतीय नौसेना को सौंपे जाने से पहले जनवरी 21 में समुद्री परीक्षण शुरू किया। 2021 नवंबर, 2021 को इसे मुंबई में भारतीय नौसेना की पश्चिमी नौसेना कमान द्वारा तैनात किया गया।
- मोर्मुगाओ ने पहली बार 2016 के सितंबर में परिचालन शुरू किया था। गोवा मुक्ति दिवस की वर्षगांठ समारोह पर, इसने 14 दिसंबर, 2021 को समुद्री परीक्षण के लिए चला गया। मोर्मुगाओ का अनावरण 18 दिसंबर, 2022 को हुआ।
- इम्फाल का शुभारंभ अप्रैल में हुआ और ये 2019 तीसरा स्टील्थ विध्वंसक है।
- सूरत, इस क्लास का आखिरी जहाज है और इसका शुभारंभ मई, 2022 में हुआ।
- 'गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर' - यह एक प्रकार का विध्वंसक है जो प्राथमिक हथियार के रूप में निर्देशित मिसाइलों से सुसज्जित होता है। इन विध्वंसकों का प्राथमिक उद्देश्य बेड़े के लिए विमान रोधी युद्ध स्क्रीनिंग प्रदान करना है। वे सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों और नौसैनिक बंदूकों के साथ सतह-विरोधी अभियान चलाने और टॉरपीडो और हेलीकॉप्टरों के साथ पनडुब्बी रोधी युद्ध करने में भी सक्षम है।
- **बराक-8** - बराक एक हिब्रू भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है लाइटनिंग। **बराक-8** एक नौसैनिक वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली है, जिसे भारत और इजराइल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। वर्तमान में इस वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग भारत, इजराइल और अजरबैजान में किया जाता है।
- **ब्रह्मोस** - यह एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है। यह भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ-DRDO) और रूसी संघ के एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है। इस मिसाइल का नामभारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदियों के नाम पर रखा गया है।

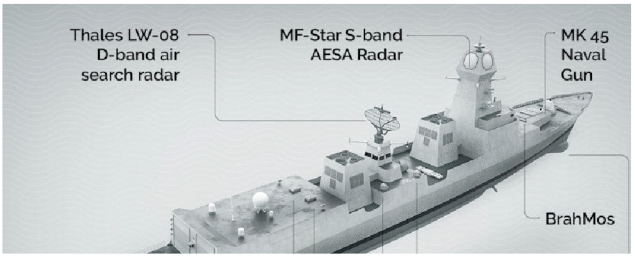

प्रोजेक्ट उद्भव [UDBHAV] :-

- प्राचीन भारतीय रणनीतिक ज्ञान को आधुनिक सैन्य शिक्षाशास्त्र से एकीकृत करने के लिए भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा शुरू की गई एक पहल है। यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन (USI) के सहयोग से इस परियोजना का उद्देश्य भारत के दर्शन और संस्कृति पर आधारित है। एक स्वदेशी रणनीतिक शब्दावली बनाना है। यह परियोजना शास्त्रीय ग्रंथों से कम खोजी गई, रणनीतिक सोच, शासन, कला और युद्धकला का पता लगाएगी और चाणक्य के अर्थशास्त्र और थिरुक्कुरल जैसे सैन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को समृद्ध करेगी। इसका ध्यान सैन्य नेताओं को शिक्षित करने और विद्वानों और रक्षा कर्मियों के लिए एक ज्ञान को

समकालीन सैन्य प्रथाओं से जोड़ने के लिए प्राचीन भारतीय ग्रंथों और ऐतिहासिक सैन्य अभियानों और नेताओं का अध्ययन करेगी।

प्रथम सैन्य विरासत महोत्सव -:

- देश के युवाओं को रक्षा क्षेत्र के प्रति प्रेरित करने तथा भारत की समृद्ध सैन्य शक्ति को प्रदर्शित करने हेतु सैन्य विरासत महोत्सव के प्रथम संस्करण का उद्घाटन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा नई दिल्ली में किया गया।
- इसी कार्यक्रम में प्रोजेक्ट - UDBHAV (उद्भव) लांच किया गया।

हरिमाऊ शक्ति अभ्यास -2023

- 23 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक चलने वाले इस विपक्षीय युद्धाभ्यास का शुभारंभ उमरोई छावनी (नई दिल्ली) में हुआ।
- यह युद्धाभ्यास मलेशिया की 5वीं रॉयल बटालियन तथा भारत राजपूत रेजीमेंट की बटालियन के मध्य चल रहा हैं।
- इसका उद्देश्य भारत -मलेशिया रक्षा सहयोग स्तर को बढ़ाना है।

4th गोवा समुद्री सम्मेलन (GMC)-2023 :-

- 4th GMC का आयोजन भारतीय नौसेना द्वारा नेशनल वॉर कॉलेज, गोवा में किया जा रहा हैं।
- 2017 से प्रारंभ इस द्विवार्षिक कार्यक्रम की श्रृंखला में 2023 के 4th संस्करण की थीम है-"हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा: सामान्य समुद्री प्राथमिकताओं को सहयोगात्मक शमन ढांचे में परिवर्तित करना'
- इसके मुख्य अतिथि भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं तथा इनमें बांग्लादेश, कोमोरोस, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मलेशिया, मॉरिशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैण्ड आदि शामिल हैं।

यूरोपीय संघ और भारत के मध्य प्रथम संयुक्त नौसेना युद्धाभास -:

- 24 अक्टूबर 2023 को गिनी की खाड़ी में भारत और ईयू (EU) के मध्य प्रथम संयुक्त नौसेना अभ्यास आयोजित हुआ।
- इस युद्धाभ्यास की रूप रेखा 5 अक्टूबर 2023 को ब्रुसेल्स में आयोजित EU-IND समुद्री सुरक्षा वार्ता के तीसरे बैठक में तैयार हुई।
- गिनी की खाड़ी महत्वपूर्ण क्यों है? – अफ्रीका के पश्चिमी तट से दूर उष्णकटिबंधीय अटलांटिक महासागर के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित एक बड़ी खाड़ी - 7 है। यह खाड़ी भूमध्य रेखा के पास केप लोपेज से डिग्री पश्चिम देशांतर पर केप पालमास तक फैली हुई णों से महत्वपूर्ण है।है। यह क्षेत्र कई कार

1. तेल भंडार गिनी – की खाड़ी तेल भंडार से समृद्ध है, जो इस क्षेत्र के देशों के लिए महत्वपूर्ण स्त्रोत है।
2. समुद्री व्यापार खाड़ी तेल –, लकड़ी और खनिजों सहित वस्तुओं और वस्तुओं के लिए एक प्रमुख शिपिंग मार्ग है।
3. मत्सय पालन कार की मछली खाड़ी विभिन्न प्र – प्रजातियों का घर है, जो स्थानीय मछली पकड़ने के उद्योग का समर्थन करती है।
4. जैव विविधता– खाड़ी समुद्री कछुओं, डॉल्फिन और व्हेल सहित विविध प्रकार के समुद्री जीवन का घर है।

ये कारक गिनी की खाड़ी को इसकी सीमा से लगे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के साथसाथ वैश्विक व्यापार और - जैव विविधता के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाते हैं।

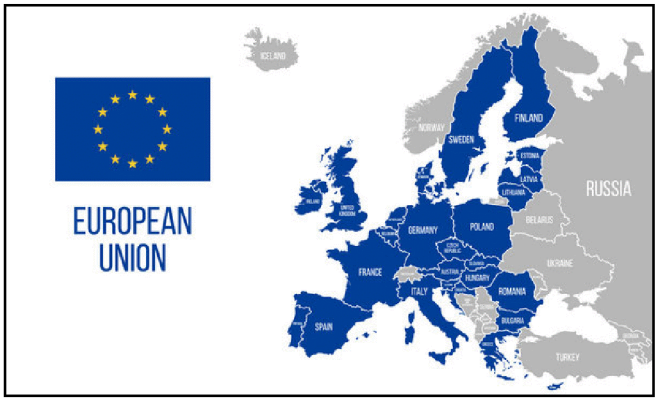

LSAM - 17 :-

- भारतीय नौसेना ने अक्टूबर 27, 2023 को एलएसएएम- 17 (LSAM-17) लॉन्च किया जो कि तीसरा गोला बारूद सह टारपीडो सह मिसाइल (ACTCM) बार्ज है।

- इसे 'आत्मनिर्भर भारत' के अनुरूप एक एमएसएमई (MSME), मेसर्स सूर्यदिप्ता प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे द्वारा बनाया गया था।
- यह बार्ज स्वदेशी निर्माताओं से प्राप्त सभी प्रमुख और सहायक उपकरणों, प्रणालियों से सुसज्जित है, जो इसे रक्षा मंत्रालय की 'मेक इन इंडिया' पहल का गौरवान्वित ध्वजावाहक बनाता है।
- ACTCM बार्ज की उपलब्धता भारतीय नौसेना के जहाजों को घाटों और बाहरी बंदरगाहों पर सामान, गोलाबारूद के चढ़ने और उतरने की सुविधा प्रदान - करके भारतीय नौसेना की परिचालन प्रतिबद्धताओं को गति प्रदान करेगी।

बार्ज (Barge) क्या है?

- बार्ज एक प्रकार का सपाट तल वाला जहाज है,जिसका उपयोग अंतरदेशीय जलमार्गों पर माल परिवहन के लिए किया जाता है। बार्ज स्वतंत्र जहाज या नाव नहीं है, बल्कि तैरते हुए जहाज हैं, जिन्हें आमतौर पर अन्य जहाजों द्वारा खींचा जाता है। बार्ज को नदियों, नहरों, खाड़ियों या मुहानों पर देखा जा सकता है।

महाबली -:

- यह एक 25T का बोलार्ड पुल टग है, जिसे हाल ही में भारतीय नौसेना द्वारा कमिशन किया गया था।
- इसका निर्माण भारतीय शिपिंग रजिस्टर (IRS) द्वारा निर्धारित वर्गीकरण नियमों के अनुसार, गुजरात के भरूच में स्थित शॉफ्ट शिपयार्ड द्वारा किया गया था।
- यह टग जहाजों के साथसाथ लंगरगाह दोनों जगह - अग्निशमन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सुसज्जित है और सीमित खोज और बचाव कार्यों के लिए भी सुसज्जित है।
- यह बर्थिंग और अनबर्थिंग ऑपरेशन के दौरान नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों की सहायता करने के साथध्यम से नेविगेट करने में साथ सीमित पानी के मा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- बोलार्ड पुल जहाजसहायता टग प्रदर्शन का सबसे – अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपाय है,जिसमें प्रोपेलर को शून्य गति के करीब अधिकतम जोर के लिए अनुकूलित किया गया है।

7th काजिङ युद्धाभ्यास 2023 :-

- यह भारत कजाकिस्तान के मध्य संयुक्त सैन्याभ्यास - हैं।
- इसका आयोजन 11 नवम्बर को कजाकिस्तान के ओतार में हुआ।
- यह 2016 में 'प्रबल दोस्तीक' युद्धाभ्यास के नाम से प्रारंभ हुआ था।
- जिसका नाम 2018 में बदल कर काजिङ युद्धाभ्यास किया गया है तथा इसमें नौसेना के साथ वायुसेना को भी शामिल कर द्वि-सेना युद्धाभ्यास बना दिया गया।

6 इंडेक्स एवं रिपोर्ट्स

वैश्विक ऊर्जा आऊटलुक रिपोर्ट -2022 (Global Energy Outlook Report) :-

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा ऐजेंसी (IEA- International Energy Agency) के द्वारा वैश्विक ऊर्जा आऊटलुक रिपोर्ट जारी की गई।

इसके अनुसार -

i) 2025 में ग्लोबल एमिशन [H_2O (जल वाष्प), CH_4 (मीथेन), CO_2, NO_2, HF_6]अपने चरम पर होगा।

ii) एनर्जी आवश्यकता -: वर्ष 2040 तक ऊर्जा सेवाओं की बढ़ती मांग आर्थिक विकास पर टिकी है , जो पिछली रिपोर्ट की तुलना में 2030 तक थोडी कम परन्तु 2050 तक प्रतिवर्ष औसतन 2.8% रहेगी।

iii) 2050 तक नेट जीरो इमिशन - : वैश्विक औसत तापमान में 1.5 °C वृद्धि दर स्थिरीकरण प्राप्त करना है।

iv घोषित नीतियों के परिदृश्य (STEPS- Stated Policy Scenarios) के अन्तराल वैश्विक ऊर्जा डिमांड 2030 तक लगभग 1% वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा पूरी की जायेगी।

v) रूस यूक्रेन युद्ध का प्रभाव-:- इस युद्ध ने प्राकृतिक गैस को लेकर वैश्विक अस्थिरता का माहौल पैदा किया जिसमें वैश्विक ऊर्जा संकट एक स्थिर भविष्य के लिए चुनौती साबित हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) :- 1974 में पेरिस सरकारी संगठन के रूप में स्थापना -में एक अंतर (फ्रांस) हुई। 2017 में भारत इसका सहयोगी सदस्य बना तथा 2021 में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ।

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (इंडिया AI) रिपोर्ट -(MEITY)

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंडिया AI का प्रथम संस्करण प्रस्तुत किया।
- इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रोडमैप के तहत भारत को 1 खरब/ 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजीटल अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास किया जायेगा।
- इंडिया AI स्टार्टअप्स और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करने के साथ ही भारत डेटाबेस कार्यक्रम' और भारत कंम्प्यूट प्लेटफार्म जैसे अन्य क्षेत्रों को भी बढ़ावा देगा।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन आऊटलुक रिपोर्ट 2023 :-

- आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन आऊटलुक रिपोर्ट 2023 जारी की गई।

इसके अनुसार

(i) कोविड के बाद से 2022 तक भारत OECD देशों में प्रवासन में प्रथम स्तर पर आ गया।

(ii) 2021 एवं 2022 में 4.1 लाख प्रवासियों के साथ भारत लगातार दोनों वर्ष शीर्ष पर रहा है। 2.3 लाख नये प्रवासियों के साथ चीन दूसरे पायदान पर तथा 2 लाख नए प्रवासियों के साथ रोमानिया ने स्थान प्राप्त किया।

- रिपोर्ट के अनुसार 2023 में भारत के लगभग 1.79 करोड लोग काम की तलाश में मातृभूमि छोड़कर विदेशों में बस गये।
- प्रतिवर्ष भारतीयों के प्रवासन में सर्वाधिक शीर्ष पर खाड़ी देश है तथा दूसरे पायदान पर अमेरिका है।
- सर्वाधिक UAE में 34.71 लाख तथा अमेरिका में 27.23 लाख भारतीय प्रवासी निवास करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय धन प्रेषणमें भारत की स्थिति -:

- विदेशों से देश को प्राप्त होने वाले धन ,अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण की श्रेणी में आते है।
- 2020 में भारत 83.15 अरब डॉलर प्राप्त कर शीर्ष पर काबिज हैं। इसके पश्चात् चीन (60 अरब डॉलर) एवं मैक्सिको (43 अरब डॉलर) क्रमश द्वितीय एवं तृतीय : पायदान पर है।
- भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) से सबसे अधिक प्रेषण प्राप्त हुआ और भारत में केरल राज्य को सबसे अधिक प्रेषण प्राप्त हुआ।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 :-

- विश्व के देशों में भुखमरी की स्थिति को बताने हेतु यह रिपोर्ट प्रतिवर्ष कंसर्न वर्ल्ड वाइड और वर्ल्ड हंगर हेल्प नामक यूरोपियन NGO द्वारा जारी की जाती है।
- 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंक 125 देशों में 121वें स्थान पर रहीं। भारत का स्कोर 28.7 गंभीर रहा।
- भारत की अपने पडोसी देशों की तुलना में स्थिति बेहतर नहीं है -
  - पाकिस्तान - 102
  - बांग्लादेश - 81
  - नेपाल -69
  - श्रीलंका -60
- 2022 में भारत की 121 देशों में '107वीं' रैंक थीं।
- लगातार तीन वर्षों में भारत के स्थान में गिरावट देखी गई है।

भारत द्वारा रिपोर्ट अस्वीकार -:

- भारत का मानना हैं कि यह रिपोर्ट गलत एवं भ्रामक है जो वास्तविक स्थिति नहीं दर्शाती।
- यह पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं करती क्योंकि इसके चार में से तीन संकेतक बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े हैं तथा चौथा संकेतक ओपनियन पोल पर आधारित है।
- इस आधार पर भारत का कहना है कि यह उसकी छवि बिगाडने का प्रयास हैं।

तथ्य -

- भारत में बच्चों में कमजोरी की दर -18.7%
- अल्पपोषण की दर - 16.6%
- 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्युदर - 3.1%
- 15-24 वर्ष की महिलाओं में एनिमिया की दर - 58.1%

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2023 :-

- हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में वैश्विक अरबपतियों में शीर्ष स्थान पर एलोन मस्क (2005 बिलियन USD) है। इनके पश्चात् जेफ बेजोस, बर्नार्ड अर्नाल्ट, बिल गेटस आदि है।
- वैश्विक रूप से मुकेश अंबानी (103 बिलियन USD) 9 वें स्थान पर रहे।

स्पीड टेस्ट ग्लोबल इंडेक्स -:

- ब्रॉडबैंड इंटरनेट गति की जानकारी देने वाली संस्था' 'ओकला' द्वारा यह रिपोर्ट जारी की गई।
- भारत ने 47 वीं रैंक हासिल की।
- 2022 में भारत की रैंक 119वीं थीं, इस बार भारत के 47 स्थानों का सुधार किया।
- देश की डाऊनलोड स्पीड़ सितंबर 2022 के 13.87 mbps से बढकर अगस्त 2023 में 50.21 mbps हो गई।
- पड़ोसी देशों की रैंक से भारत की रैंक बहुत अच्छी है।
- साथ ही जी -20 देशों जैसे - मैक्सिको (90), तुर्की (68), ब्रिटेश)) 61), जापान (58) ब्राजी (50) एवं दक्षिण अफ्रिक (48) से भी आगे है।

7 चर्चित स्थल

दक्षिण लोनाक झील

- दक्षिण लोनाक झील सिक्किम के उत्तर में स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 5,200 मीटर ऊपर स्थित है। हाल ही में झील में हिमनद के फटने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। इसका पानी तीस्ता नदी में आने से राज्य के मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिले प्रभावित हुए। बाढ़ के कारण सिक्किम में तीस्ता नदी पर बना चुंगथांग हाइड्रो-बांध भी टूट गया।

धोरडो

- संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने गुजरात के कच्छ जिले के गांव धोरडो को 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' का पुरस्कार प्रदान किया है। यह पुरस्कार 19 अक्टूबर, 2023 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित समारोह में दिया गया।

सतोली

- सतोली गांव उत्तराखंड के नैनीताल जिले में मुक्तेश्वर के पास स्थित है। भारत और स्विट्जरलैंड की दोस्ती के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अक्टूबर, 2023 में यहां 'स्विस हिमालयन बाउंटी' नाम से तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि 14 अगस्त, 1948 को भारत-स्विट्जरलैंड के बीच मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

बिसाऊ (झुन्झुनु) :-

- यह क्षेत्र अपनी अनूठी मूक रामलीला के कारण विश्व प्रसिद्ध है।
- यहाँ 15 अक्टूबर से रामलीला का मंचन हुआ।
- इसकी शुरूआत लगभग 200 वर्ष पूर्व हुई।

पोकरण फिल्ड फायरिंग रेंज :-

- जैसलमेर में अवस्थित यह सामरिक महत्व का स्थल वर्तमान में भीषण आग की चपेट में आने के कारण चर्चा में रहा।
- यह आग इतनी भीषण थी कि 8-10 कि.मी. एरिया की समस्त वनस्पति को जलाकर खाक कर दिया।

जैसलमेर दुर्ग -:

- जैसलमेर में स्थिति यह दुर्ग एक लिविंग फोर्ट है।

- यहां से अधिक परिवार निवास करते हैं तथा 700 तथा शीतकालीन पर्यटन पर्यटन की दृष्टि से यह समृद्ध में विशेषतः भ्रमणीय हैं।

द्वारकाधीश मंदिर (झालरापाटन, झालावाड)-

- देवस्थान विभाग द्वारा एक महिला पुजारी ममता शर्मा की नियुक्ति की गई। अब ये ही ठाकुर जी की सेवा करेंगी।

संगमेश्वर महादेव मंदिर (डूंगरपुर) :-

- सोममाही -- जाखम नदी के संगम पर स्थित यह मंदिर 8 महिने जलमग्न रहता है।
- यहाँ नाव मे जाकर पूजा की जाती है।
- इस बार वर्षा की अधिकता एवं माही बांध के गेट खुलने से जलस्तर बढ़ा है जिससे यह वापस जलमग्न हो गया है।

उदयपुर सिटी पैलेस :-

- मेवाड राज्य के भारत संघ में विलय का द्योतक यह पैलेस अपनी भव्यता के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- यहीं पर प्रदेश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रथम महाराज प्रमुख मेवाड महाराणा भूपालसिंह को शपथ दिलाई गई थी।

सांवलिया सेठ मंदिर -:

- चितौडगढ़ के इस प्रसिद्ध मंदिर जो प्रसिद्ध कृष्ण धाम है, प्रधानमंत्री जी के आगमन तथा विभिन्न परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन के कारण चर्चा में है।

विभीषन मंदिर (कैथून, कोटा) -

- लंका विजय में अहम भूमिका निभाने वाले रामभक्त विभीषण व रावण के भाई का देश में एक मात्र मंदिर कैथून में हैं जो (कोटा) 200 साल पुराना है।

त्रिपुर सुंदरी माता मंदिर :-

- बांसवाडा जिले में स्थित इस मंदिर में त्रिपुर सुंदरी माता की 18 भुजा वाली भव्य प्रतिमा स्थित है।
- माता यहां पर कमल सिंह और मयूर के आसन पर विराजमान है।

अन्नपूर्णा माता मंदिर :-

- भवानी मंडी में अवस्थित (झालावाड़)500 वर्ष पुराना माता का मंदिर है।

सुंदेलाव तालाव (जालौर) :-

- जालौर का एतिहासिक तालाब जिसे 'अमृतम जलम अभियान' के तहत स्वच्छ किया गया तथा मानसून वर्षा चक्रवात बिपरजॉय के कारण अपने उफान और छटा के साथ खूबसूती बिखे र रहा है।

खमनौर (-: (राजसमंद

- खमनौर के शाही बाग न केवल गुलाब के इत्र हेतु देश में प्रसिद्ध है बल्कि औषधीय उपयोग व पेय पदार्थ बनाने मे भी अपनी पहचान रखते है।
- वर्तमान में यहां ग्रामीणों द्वारा मंदिर तक सुगम पहुंच हेतु 321 सीढियों का निर्माण करवाया जा रहा है।

'चामुण्डा माता मंदिर (अजमेर):-

- 1160 वर्ष पूर्व स्थापित इस मंदिर में अवस्थित चामुण्डा माता के सम्राट पृथ्वीराज चौहान की कुल देवी होने की किवदंती हैं। माना जाता है कि पृथ्वीराज किसी भी युद्ध में जाने से पूर्व यहाँ जरूर आता था।

8. चर्चित व्यक्तित्व

लाल बहादुर शास्त्री

- 2 अक्टूबर, 2023 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। उन्होंने वर्ष 1964 से 1966 तक देश के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान शास्त्री जी ने पाकिस्तान के साथ युद्ध, देश में खाद्यान्न संकट, सूखा आदि का बड़ी कुशलता के साथ सामना किया। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था।
- **भारत रत्न:-** शास्त्री जी को वर्ष 1966 में मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- **निधन:-** 10 जनवरी, 1966 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद अयूब खान के साथ ताशकंद समझौते पर वार्त्ता करते समय ताशकंद, ॡ (अब उज्बेकिस्तान) में शास्त्री जी का निधन हो गया।

महात्मा गांधी

- 2 अक्टूबर, 2023 को महात्मा गांधी (मोहनदास करमचन्द गांधी) की 154वीं जयंती मनाई गई। गांधीजी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माता का नाम पुतलीबाई था। दक्षिण अफ्रीका से वकालत करने के बाद गांधीजी 1915 में भारत वापस आए। 1921 में वे सक्रिय रूप से कांग्रेस में शामिल हुए।
- गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह 1917 में बिहार के चम्पारन से शुरू किया। यहां अंग्रेज नील बगान में लोगों का शोषण करते थे।
- गांधी जी की आत्मकथा 'द स्टोरी ऑफ माय एक्सपेरिमेंट्स विद् ट्रुथ' 1927 में प्रकाशित हुई।
- 1930 – नमक सत्याग्रह
- 8 अगस्त, 1942 – भारत छोड़ो आन्दोलन

जयप्रकाश नारायण

- 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनाई गई। उनका जन्म 11 अक्टूबर को 1902 को सिताबदियारा, बिहार में हुआ था। वर्ष 1929 में जे.पी. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में शामिल हुए। विनोबा भावे से प्रभावित होकर उन्होंने भूदान यज्ञ आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। चुनावी कानून के उल्लंघन के जवाब में उन्होंने इंदिरा गांधी शासन के खिलाफ आंदोलन किया था। जे.पी. ने वर्ष 1974 में 'संपूर्ण क्रांति' कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। जयप्रकाश नारायण का उद्देश्य सर्वोदय के आदर्शों के अनुरूप सामाजिक परिवर्तन लाना था। 8 अक्टूबर, 1979 को उनका निधन हुआ। वर्ष 1999 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

नानाजी देशमुख

- 11 अक्टूबर को नानाजी देशमुख की जयंती मनाई गई। 11 अक्टूबर, 1916 को महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में जन्मे नानाजी देशमुख ने आचार्य विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन्होंने चित्रकूट में भारत के पहले ग्रामीण विश्वविद्यालय 'चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय' की स्थापना की। वे वर्ष 1999 में राज्यसभा सदस्य नामित हुए तथा 1999 में ही उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। 27 फरवरी, 2010 को नानाजी देशमुख का निधन हुआ। वर्ष 2019 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

9. खेल

एशियन गेम्स- 2023

- 19वें एशियाई खेल-2022 का आयोजन 23 सितम्बर से 8 अक्टूबर, 2023 को चीन के हांगझाऊ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम (बिग लोटस) में किया गया। भारत ने कुल 107 पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। चीन कुल 383 पदकों (201 स्वर्ण, 111 रजत व 71 कांस्य) के साथ पहले और जापान कुल 189 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में भारत ने 655 एथलीटों के साथ हिस्सा लिया था।

यह भी जानें:-

- प्रतियोगिता में 45 देशों ने भाग लिया।
- खेलों का मोटो था 'दिल से दिल / भविष्य'
- हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश व महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन भारत के ध्वजवाहक थे।
- 20वें एशियाई खेलों का आयोजन वर्ष 2027 में आइची-नोगाया, जापान में किया जाएगा।
- इस बार एशियाई खेलों में ई-स्पोर्ट्स और ब्रेकडांसिंग दो नए खेल जोड़े गए।
- एशियाई खेलों की शुरुआत वर्ष 1951 में नई दिल्ली में की गई। इसका आयोजन प्रत्येक चार वर्ष में एक बार किया जाता है। इन खेलों का प्रतीक चिह्न उगते हुए सूरज के साथ एक-दूसरे से जुड़े हुए छल्ले हैं।

ओलिंपिक में 5 नए खेल

- अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिल्स में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए 5 नए खेलों को जोड़ने को मंजूरी प्रदान की है। LA28 के कार्यक्रम में क्रिकेट (T20), बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस और स्क्वैश खेलों को शामिल किया जाएगा।

गोवा में 36वें राष्ट्रीय खेल

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अक्टूबर, 2023 में गोवा के मडगांव में स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 37वें राष्ट्रीय खेलों का आधिकारिक उद्घाटन किया।

पैरा एशियन गेम्स 2023

- चीन के हांगझोऊ में 22-28 अक्टूबर, 2023 को आयोजित पैरा एशियाई खेलों में भारतीय पैरा-एथलीटों ने 111 पदक (29 स्वर्ण, 31 रजत व 51 कांस्य) जीते। भारत ने चीन, ईरान, जापान और कोरिया गणराज्य के बाद पदक तालिका में 5वां स्थान प्राप्त किया।
- प्रतियोगिता में 44 देशों ने हिस्सा लिया।
- खेलों का मोटो था 'दिल मिलते हैं, सपने चमकते हैं

10. पुरस्कार, पुस्तकें एवं नियुक्तियाँ

पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार 2023

शांतिः-

- रॉयल स्वीडिश अकादमी का प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार, 2023 ईरान की सामाजिक कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार महिलाओं के उत्पीड़न, मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के लिए दिया गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2022 का यह पुरस्कार बेलारूस के एलेस बायलियात्स्की, रूसी मानवाधिकार संगठन मेमोरियल और यूक्रेनी मानवाधिकार संगठन सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज को प्रदान किया गया था।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन

चिकित्साः-

- चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा 2 अक्टूबर, 2023 को की गई। यह पुरस्कार हंगरी मूल की अमेरिकी वैज्ञानिक कैटालिन कारिको और अमेरिकी वैज्ञानिक ड्रियू वीसमैन को मैसेंजर राइबोन्यूक्लिक एसिड के न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधन पर कार्य के लिए प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 का यह पुरस्कार स्वीडन के स्वांते पैबो को प्रदान किया गया था।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन (दोनों को बराबर)

भौतिकीः-

- भौतिकी के क्षेत्र में वर्ष 2023 के नोबेल पुरस्कार की घोषणा 3 अक्टूबर, 2023 को की गई। यह पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों -पियरे एगोस्टिनी (यूएसए), फेरेन्क क्रॉस्ज (जर्मनी) और ऐनी एल. हुइलियर (स्वीडन) को दिया गया है। इन्होंने इलेक्ट्रोन गतिशीलता के अध्ययन के लिए प्रकाश के एटोसेकंड पल्स उत्पन्न करने वाले प्रयोगात्मक विधि को खोजने के लिए प्रदान किया गया है।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन (तीनों को बराबर)

रसायन विज्ञानः-

- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार की घोषणा 4 अक्टूबर, 2023 को की गई। यह पुरस्कार मौंगी जी बावेंडी (यूएसए), लुईस ई ब्रूस (डेनमार्क) तथा एलेक्सी आई एकिमोव (यूएसए) को प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार क्वांटम डॉट्स के अभूतपूर्व आविष्कार और संश्लेषण के लिए प्रदान किया गया है।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन (तीनों को बराबर)

साहित्य :-

- स्वीडिश एकेडमी द्वारा 5 अक्टूबर, 2023 को साहित्य क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार 2023 नॉर्वे के लेखक और नाटककार जॉन फॉसे को प्रदान किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार मानवीय भावनाओं को सरल शब्दों में व्यक्त करने वाले 'अनकही की आवाज अभिनव नाटकों और गद्य के लिए' दिया गया है। गत वर्ष का यह पुरस्कार फ्रांस की लेखिका एनी एरनॉक्स को दिया गया था।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन (तीनों को बराबर)

अर्थशास्त्र

- द रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज की ओर से 9 अक्टूबर, 2023 को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिए जोन की घोषणा की गई। उन्हें यह पुरस्कार श्रम बाजार में स्त्री पुरुष के बीच भेदभाव संबंधी समझ को बेहतर बनाने सम्बंधी शोध के लिए दिया गया है। वे इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाली तीसरी महिला हैं। वर्ष 2022 को यह पुरस्कार अमेरिका के बेन एस. बेर्नान्के, डॉग्लास डब्ल्यू डायमंड और फिलिप एच. डायबविग को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया था।
- **पुरस्कार राशिः**- 10 मिलियन स्वीडिश क्रोन

सरस्वती सम्मान

- तमिल लेखिका शिवशंकरी को सरस्वती सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें संस्मरण 'सूर्य वामसम' के लिए प्रदान किया गया है।
- **यह भी जानें:**-के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के भारतीय लेखकों द्वारा विगत 10 वर्षों में प्रकाशित साहित्यिक कृतियों के लिए यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिया जाता है। इसके तहत 15 लाख रुपए, एक पट्टिका तथा प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड

- यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम की ओर से 29 अक्टूबर, 2023 को रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी को 'ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। अम्बानी को यह पुरस्कार परोपकार और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के लिए दिया गया है।

निर्वाचन/नियुक्ति

अरिंदम बगाची

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बगाची को 16 अक्टूबर, 2023 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अन्तराष्ट्रीय संगठनों में भारत का स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। उन्होंने इस पद पर इन्द्रमणि पाण्डेय का स्थान लिया है।

जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल

- केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

पुस्तकें

- **अंडरस्टैंडिंग द जेंडर गैप:** एन इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ अमेरिकन वुमेन -क्लॉडिया गोल्डिन
- **करियर एंड फैमिली:** वुमेन सेंचुरी - लॉन्ग जर्नी टुवर्ड इक्विटी - क्लॉडिया गोल्डिन
- **सूर्य वामसम** :-शिवशंकरी
- **एन इंडियन सक्सेस स्टोरी: एग्रीकल्चर एंड को-ऑपरेटिव** :- एम. एस. गिल
- **रोमन स्टोरीज:**- झुम्पा लाहिड़ी
- **मेमोयर ऑफ द मावेरिक** - मणिशंकर अय्यर

11. निधन

एम.एस स्वामीनाथन

- 'हरित क्रांति के जनक' मोनकोम्ब संबासिवन (एम. एस) स्वामीनाथन (98) का अक्टूबर, 2023 में निधन हो गया। 1960 एवं 1970 के दशक में खाद्यान्न संकट से जूझ रहे भारत में स्वामीनाथन ने गेहूं व चावल की नई किस्में विकसित कर क्रांति ला दी थी।
- **पुरस्कार:**- स्वामीनाथन को पद्म श्री (1967), पद्म भूषण (1972) और पद्म विभूषण (1989), रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (1971) और अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार (1986) आदि प्रदान किए गए।

बिशन सिंह बेदी

- भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तथा स्पिनर बिशन सिंह बेदी (77) का 23 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में निधन हो गया। उन्होंने भारत के लिए कुल 77 मैच खेले, जिनमें 273 विकेट लिए थे।

एम. एस. गिल

- पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और कांग्रेस नेता मनोहर सिंह गिल (87) का 15 अक्टूबर, 2023 को निधन हो गया। पद्म विभूषण से सम्मानित गिल ने वर्ष 1996 से 2001 तक भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्य किया था। वे वर्ष 2004 से 2016 तक राज्यसभा सदस्य भी रहे। उन्होंने 'एन इंडियन सक्सेस स्टोरी: एग्रीकल्चर एंड को-ऑपरेटिव' पुस्तक लिखी थी।

12- प्रमुख दिवस/सप्ताह (अक्टूबर : 2023)

क्र.सं	दिनांक	दिवस	थीम
1.	1 अक्टूबर	• अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस	बदलती दुनिया में वृद्धजनों का लचीलापन
2.	2 अक्टूबर	• गांधी जयंती • लाल बहादुर शास्त्री जयंती • अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस	
3.	5 अक्टूबर	• विश्व शिक्षक दिवस	
4.	8 अक्टूबर	• भारतीय वायु सेना दिवस	
5.	10 अक्टूबर	• विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानवाधिकार है।
6.	11 अक्टूबर	• अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस	लड़कियों के अधिकारों में निवेश : हमारा नेतृत्व, हमारा कल्याण।
7.	16 अक्टूबर	• विश्व खाद्य दिवस	जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे ना छोडें।
8.	24 अक्टूबर	• संयुक्त राष्ट्र दिवस • विश्व पोलियो दिवस	The frontlines of climate action
9.	24 अक्टूबर	• विश्व पोलियो दिवस	
10.	31 अक्टूबर	• राष्ट्रीय एकता दिवस • सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती	सरदार पटेल का 148 वां जन्म दिवस।

प्रमुख सप्ताह (अक्टूबर 2023)

क्र.सं	दिनांक	सप्ताह
1.	1-7 अक्टूबर	विश्व वन्य जीव सप्ताह
2.	4-10 अक्टूबर	विश्व अंतरिक्ष सप्ताह
3.	9-13 अक्टूबर	विश्व डाक सप्ताह
4.	30 अक्टूबर से नवम्बर 5	सर्तकता जागरूकता सप्ताह

जिस्ट (योजना – अक्टूबर 2023)

पृथ्वी के सूर्य को समझने की यात्रा :–

- सूर्य के सुव्यवस्थित अध्ययन के लिए ISRO (इसरो) द्वारा एक स्वदेशी सूर्य मिशन आदित्य L-1 लॉच किया। इसमें भेजे जाने वाले यान को पृथ्वी से 1.5 मिलियन कि.मी. दूर लेग्रांज बिंदु L-1 की कक्षा में प्रतिस्थापित किया गया।

सूर्य :–

- सूर्य हमारे सौरमण्डल का सबसे निकटतम तारा और सबसे बड़ा पिंड हैं इसकी अनुमानित आयु 4.5 अरब वर्ष है। जिसकी पृथ्वी से दूरी 150 मिलियन किलोमीटर है। यह हाइड्रोजन और हीलियम गैसों से बना है।

आदित्य L-1 के विषय में :–

- यह सूर्य का अध्ययन करने वाला प्रथम भारतीय सौर मिशन हैं। इस मिशन के यान को पृथ्वी व सूर्य के मध्य स्थित लेग्रांज बिंदु L-1 के चारों ओर एक हलो कक्षा में स्थापित किया जाएगा।
- इसमें 7 पेलोड है जिनमें से 4 पेलोड सीधे सूर्य का अवलोकन करते हैं तथा शेष 3 पेलोड लेग्रांज बिंदु L-1 पर कणों व क्षेत्रों का अध्यनन करते है।
- इसका उद्देश्य कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इंजेक्शन, प्री फ्लेयर और फ्लेयर गतिविधियों और उनकी विशेषताओं तथा अंतर्राष्ट्रीय मौसम की क्रियाशीलता संबंधी समस्याओं समझना है।

लेग्रेंज बिन्दु :–

- किन्हीं दो गुरूत्वाकर्षणीय खिंचाव वाले बड़े पिण्डों के मध्य स्थित वे बिंदु जहाँ कोई वस्तु रखने पर लगाने वाला गुरूत्वाकर्षण बल उसके अभिकेन्द्रीय बल के बराबर होता है।
- सूर्य और पृथ्वी के मध्य 5 लेग्रेंज बिंदु है– L-1, L-2, L-3, L-4, L-5.

अंतरिक्ष से सूर्य का अध्ययन क्यों ?

- पृथ्वी का वायुमण्डल सूर्य द्वारा उत्सर्जित विकिरणों के प्रति एक सुरक्षा कवच प्रदान करता हैं जिससे पृथ्वी पर उपस्थित उपकरण सूर्य की गतिविधियों का सटीक निरीक्षण व अध्ययन नहीं कर पाते।
- अतः सूर्य के द्वारा उत्सर्जित विकिरणों व विभिन्न रासायनिक परिर्वतनों के अध्ययन हेतु पृथ्वी के वायुमण्डल के बाहर आकर सूर्य का अध्ययन करना ही श्रेष्ठ कदम माना गया।

मिशन की चुनौतियाँ –

- इस मिशन में पेलोड की निश्चित क्षमता के कारण सीमित उपकरणों को ही यान के साथ भेजा जा सकता है।
- सूर्य के ध्रवीय क्षेत्रों का अध्ययन करना भी एक चुनौती है।

अंतरिक्ष से जुड़ी बुनियादी सुविधाएँ :–

- भारत में अंतरिक्ष संबंधित गतिविधियों की शुरूआत 1962 में ''राष्ट्रीय अंतरिक्ष अुनसंधान समिति (इन्कोस्पार)'' की स्थापना से हुई तथा इसी वर्ष थुम्बा भूमध्यीय रॉकेट प्रक्षेपण केन्द्र (टीईआरएलएस) की स्थापना तिरूअनन्तपुरम् में हुई।

ISRO (इसरो) :–

- 15 अगस्त 1969 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना की गई। इसकी स्थापना भारत और समूचित मानवता के कल्याण हेतु बाहरी अंतरिक्ष के लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से की गई।

अंतरिक्ष विभाग :–

- जून 1972 को अंतरिक्ष आयोग और अंतरिक्ष विभाग का गठन किया गया तथा सितम्बर 1972 में इसरो को अंतरिक्ष विभाग के अधीन लाया गया।
- ISRO एवं अंतरिक्ष विभाग का मुख्यालय 'बैंगलुरू' के अंतरिक्ष भवन में स्थित है।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (VSSC) :–

- तिरूअनन्तपुरम् में स्थित यह केन्द्र प्रक्षेपण यान तकनीकी का डिजाईन तैयार करने व उसे विकसित करने का कार्य करता है।

इसके द्वारा निम्न एयरोस्पेस प्रणानियाँ विकसित की गई है–

- ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV), भू–समकालिक प्रक्षेपण यान (GSLV), प्रक्षेपण यान मार्क–3 (LVM-3) रोहिनी साउण्डिंग रॉकेट, छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV), री यूजेबल रॉकेट (RLV), परीक्षण वाहन परियोजना (TVP), एयर ब्रीदिंग प्रपल्शन तथा गगनयान आदि।

यूआरएल उपग्रह केन्द्र (URMC) :–

- बैंग्लुरू स्थित यह संस्थान संचार, नेविगेशन, सुदूर संवेदी व्यवस्था, वैज्ञानिक एवं छोटे उपग्रह मिशनों को डिजाईन एवं विकसित करती है।

सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (SDSC) - SHAR :–

- 'भारत का अंतरिक्ष तट' कहलाने वाली यह संस्था भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को मूलभूत बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करवाती हैं ताकि प्रक्षेपण सटीक व सुलभ हो सके।

लिक्विड प्रापल्शन प्रणाली केन्द्र (LPSC):–

- यह संस्थान अंतरिक्ष प्रक्षेपास्त्रों हुेत प्रपल्शन प्रणालियों यथा– क्रायोजेनिक, सेमी क्रायोजनिक, इलेक्ट्रिक प्रपल्शन आदि को डिजाईन, विकसित एवं डिलेवरी का दायित्व निभाती है।

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (SAC):–

- अहमदाबाद स्थित यह केन्द्र इसरो का प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केन्द्र है।
- यह मुख्य रूप से देश की संचार, नेवीगेशन और रिमोट सेंसिग जरूरतों को पूरा करता है।

मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (HSFC) :–

- मानव अंतरिक्ष उड़ान गतिविधियों के लिए 2019 में इस संस्था का गठन किया गया।
- यह केन्द्र विश्वसनीयता और मानव सुरक्षा के उच्च मानको के अनुरूप मानव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवीन क्षेत्रों में बहु–विषयक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ संचालित करता है।
- यह वर्तमान में इसरो मुख्यालय परिसर (बंगलौर) में संचालित हो रहा है।

राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (NRSC) :–

- यह केन्द्र उपग्रहों के डाटा प्राप्त करने, डाटा उत्पाद बनाने, हवाई रिमोट सेंसिंग डाटा अधिग्रहण, आपदा प्रबंधन में सहायता, सुशासन के लिए भू–स्थानिक सेवाएँ, विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण हेतु ग्राउण्ड स्टेशन स्थापना आदि कार्य करता है।

इसरो प्रोपल्शन कॉम्पलेक्स (IPRC):–

- महेन्द्रगिरी स्थिति यह केन्द्र प्रक्षेपण यानों के लिए तरल प्रणोदन प्रणालियों के संयोजन, एकीकरण, परीक्षण आदि के लिए जिम्मेदार है। यह लिक्विड इंजन, क्रायोजैनिक इंजन, अंतरिक्षयान इंजन और प्रक्षेपकों की योग्यता, निरीक्षण तथा स्वीकृति हेतु भी जिम्मेदार है।

इसरो टेलीमैट्री, ट्रैकिंग और कमाण्ड नेटवर्क (ISTRC) :–

- यह संस्था इसरो के प्रमुख लांच वाहन, इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स सिस्टम प्रयोगशाला (LEOS) और इंटरप्लेनेटरी स्पेस क्राफ्ट मिशनों के लिए टेलीमैट्री, ट्रैंकिंग तथा कमाण्ड और मिशन नियन्त्रण का कार्य करती हैं।
- अन्य कार्य – रडार सिस्टम का विकास, टेली–मेडिसन, टेली–शिक्षा आदि कार्य में सहायता।

भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (IIRS) :–

- देहरादून में स्थित यह संस्थान 1966 में भारतीय फोटो इंटरप्रिटेशन इंस्टीट्यूट के रूप में स्थापित हुई। इसका उद्देश्य स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा रिमोट सेंसिंग तथा जियोइन्फॉर्मेटिक्स और उनके अनुप्रयोगों में क्षमता निर्माण करना हैं।

भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (IIST):–

- यह एशिया का प्रथम अंतरिक्ष विश्वविद्यालय है जिसे 2007 में तिरूअनन्तपुरम् में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की मांगों को पूरा करने तथा अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शिक्षा गुणवत्ता में वृद्धि करने हेतु स्थापित किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन और प्राधिकरण केन्द्र (IN-SPACe) :–

- निजी उद्यमों ओर स्टार्टअप्स की गतिविधियों पर नियंत्रण करने हेतु DoS के तहत एक स्वतंत्र नोडल ऐजेंसी की स्थापना अहमदाबाद में की गयी।
- अन्य संस्थाएँ – इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई, इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स सिस्टम के लिए प्रयोगशाला, विकास और शैक्षिक संचार इकाई, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, राष्ट्रीय वायुमण्डलीय अनुसंधान प्रयोगशाला, पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड आदि।
- इस प्रकार विभिन्न संस्थाओं की स्थापना द्वारा एक लंबा सफर तय कर वैश्विक पटल पर अंतरिक्ष अनुसंधान पर एक अलग आयाम प्राप्त कर चुका है।

कृषि अवसंरचना

- 1950 और 1960 के दशक में गंभीर खाद्य संकट से निकल कर कृषि उत्पादों यथा – अनाज, फल, सब्जियों, मसाले, गन्ना, कपास आदि में सबसे बड़ा निर्यातक बनकर उभरा है। चावल और गेंहूँ के मामले में अग्रणी निर्यातक देश बन गया है। यह सब हरित क्रांति का प्रभाव है।

कृषि में विकास यात्रा :–

- 1950 और 1960 के दशक में खाद्य सुरक्षा आयात पर निभरे थी तथा 1964 से 1966 तक पड़े तीन वर्षीय निरन्तर सूखे ने गंभीर खाद्य अव्यवस्था को जन्म दिया। 1966 में गेहूँ आयात 7.78 MMT के उच्च स्तर पर पहुँच गया। इसमें अमेरिका से PL 480 आयातित गेहूँ शामिल है। इस स्थिति को 'शिप टू माउथ' स्थिति कहा गया।
- इस स्थिति से बाहर आने हेतु भारत ने मुख्यतः गेहूँ व चावल की नई किस्मों से 'हरित क्रांति' का उपयोग कर अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की।
- परिणामतः सन् 2000 से भारत ने चावल का निर्यात प्रारंभ किया तथा वैश्विक चावल निर्यात में 40% की हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर आ गया एवं गेहूँ के आयात में भी अत्याधिक गिरावट देखी गयी।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना आदि के माध्यम से लोगों तक खाद्य की पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास किया।

कृषि उत्पादन में रूझान :–

- कुल खाद्य उत्पादन (अनाज और दालें) 1950–51 में 15 MT से बढ़कर 2022–23 में 330 MT से अधिक हो गया।
- 1950–51 के बाद से खाद्यान्न उत्पादन 6.5 गुना, सब्जी उत्पादन में 12 गुना की वृद्धि देखी गयी है।
- कृषि अवसंरचना यथा– सिंचाई संसाधन, बिजली, जल उपलब्धता, बीज किट, कीटनाशक, खाद आदि की गुणवत्ता युक्त उपलब्धता ने उत्पादन का स्तर में वृद्धि की ।
- सरकार द्वारा MSP पर खरीद से मूल्य स्थिरता में वृद्धि हुई।
- मोटे अनाज का उत्पादन 1950–51 के 15.38 MT में बढकर 2022–23 में 55 MT हो गया तथा भारत मोटे अनाज उत्पादन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया एवं संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रस्ताव द्वारा वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' घोषित किया गया।
- भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। दलहन में भारत ने 1950–51 के 8.4 MT से बढाकर 2022–23 में 27 MT का उत्पादन किया। जिसमें सर्वाधिक वृद्धि चने के उत्पादन में हुई।
- भारत तिलहन के मामले में आयात पर निर्भर है। इस हेतु घरेलु तिलहन उत्पादन में वृद्धि के लिए तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन 1986 प्रांरभ की जिसमें 1993–94 में आयात निर्भरता 2% रह गयी थी जो सन् 2022–23 में बढकर 55% हो गई है।
- 1995 में WTO समझौते के तहत खाद्य तेलों के आयात दरों में कमी हेतु ओपन जनरल लाइसेंसे प्रणाली लागू की।
- खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर हेतु तिलहन उत्पादन को बढावा देने हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तिलहन 2018–19 में प्रारंभ किया गया तथा पॉम ऑयल उत्पादन में वृद्धि हेतु 2021–22 में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन पॉम ऑयल की शुरूआत की गई।

कृषि संसाधन एवं इनपुट :–

- फसल बुवाई का शुद्ध क्षेत्र 1950–51 के 118.75 MH से बढकर 2019–20 में 139.90 MH हो गया, इस प्रकार 1.17 गुना की वृद्धि हुई, परन्तु इसकी तुलना में जनसंख्या वृद्धि 3.8 गुना थी।
- 1950 में ICAR ने फसलों की 6000 से अधिक किस्में जारी की।
- उर्वरकों (नाईट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश–3:2:1) के अनुशंसित उपयोग से उर्वरकों का प्रयोग 1950–51 में 0.5 किग्रा./हेक्टयर से बढकर 2019–20 में 140 किग्रा./हेक्टयर हो गया।
- 2010 में प्रारंभ पोषक तत्त्व आधारित सब्सिडी को संशोधित कर 2023 में गैर कृषि कार्यों में उपयोग कम करने हेतु नीम लेपित यूरिया की शुरूआत की गयी है।
- सिंचाई क्षेत्र में विकास हेतु कमाण्ड एरिया विकास कार्यक्रम (1974-75) तथा त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (1997) आदि के द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्र 1950–51 के 17.55% से बढकर 2019–20 में 53% तक पहुँच गया।

मूल्य नीति एवं बाजारः–

- मूल्य नीति की तहत CACP (1965) के द्वारा MSP की घोषणा तथा बिक्री हेतु e-NAM पोर्टल इत्यादि से किसानों को फसलों के उचित मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित हुई है।
- इस प्रकार विभिन्न कृषि क्षेत्रों में कालिक विकास के माध्यम से कृषि अवसंरचना आज अपने इस स्वरूप मं पहुँची हैं। परिणामतः भारत खाद्य उत्पादन व उपभोग दोनों में दृढ़ स्थिति में नजर आता है।

आलेख / संपादकीय

प्लास्टिक प्रदूषण

- हाल ही में, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतर सरकारी वार्ता समिति (INC3) से पहले अंतरिम रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक है- 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने की ओर: एक नीति परिदृश्य विश्लेषण। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार, विश्व स्तर पर उत्पादित प्लास्टिक कचरा 2060 तक लगभग तीन गुना हो जाएगा, जिसमें से लगभग आधा लैंडफिल में समाप्त हो जाएगा और पांचवें से भी कम पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- प्लास्टिक प्रदूषण: 2022 में, वैश्विक स्तर पर 21 मिलियन टन (एमटी) प्लास्टिक पर्यावरण में लीक हो गया।
- प्लास्टिक का उपयोग: यदि कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं किया गया, तो प्लास्टिक का उपयोग बढ़ जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप 2040 तक मैक्रोप्लास्टिक रिसाव में 50% की वृद्धि होगी। इसके कारण, ~ 30 मीट्रिक टन प्लास्टिक पर्यावरण में लीक हो रहा है, जिसमें 9 मीट्रिक टन जलीय वातावरण में प्रवेश कर रहा है।
- अत्यधिक रिसाव: प्राथमिक प्लास्टिक के उपयोग को 2020 के स्तर पर 2040 तक स्थिर करने के परिणामस्वरूप 2040 तक महत्वपूर्ण प्लास्टिक रिसाव (12 मीट्रिक टन) होगा।
- महत्वाकांक्षी वैश्विक कार्रवाई: यह अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम कर सकता है, कुप्रबंधित कचरे को लगभग समाप्त कर सकता है और 2040 तक प्लास्टिक रिसाव को लगभग समाप्त कर सकता है।
- बढ़ते प्लास्टिक उपयोग का प्रभाव: आवास विनाश, मृदा प्रदूषण, जलवायु प्रतिकूलताएं, और मानव स्वास्थ्य।
- उत्सर्जन पर प्रभाव: कुल वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्लास्टिक का योगदान 3.8% है (2022 में 1.9 GtCO2 e)।
- **कार्रवाई की लागत:** वैश्विक महत्वाकांक्षा 2040 तक कुप्रबंधित कचरे को लगभग समाप्त कर सकती है (119 से 4 मीट्रिक टन तक), परिणामस्वरूप, प्लास्टिक रिसाव भी लगभग समाप्त हो जाएगा (2040 में 1.2 मीट्रिक टन)।
- **नदियों और महासागरों में प्लास्टिक के भंडार में वृद्धि:** प्रयासों के बावजूद,प्लास्टिक अपशिष्ट 2020 में 152 मीट्रिक टन से बढ़कर 2040 में 226 मीट्रिक टन (बेसलाइन से 74 मीट्रिक टन कम) हो जाएगा।
- **बढ़ा हुआ निवेश:** कम उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों वाले विकासशील देशों को अपशिष्ट संग्रहण, और उपचार के लिए निवेश (2020 और 2040 के बीच 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक) की आवश्यकता होगी।

अनुशंसाएँ

- **विभिन्न नीति परिदृश्यों की आवश्यकता:** यह पूरे जीवनचक्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देता है।
- **तकनीकी और आर्थिक बाधाओं पर काबू पाना:** 2040 तक प्लास्टिक रिसाव को खत्म करने के लिए ये आवश्यक हैं।
- **पुनर्चक्रण की सफलताएं और स्क्रैप और द्वितीयक प्लास्टिक** के लिए अच्छी तरह से काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय बाजारों को बढ़ाना महत्वपूर्ण रणनीतियाँ हैं।

प्लास्टिक

- **ग्रीक शब्द प्लास्टिकोस से व्युत्पन्न:** इसका अर्थ है "आकार देने या ढालने में सक्षम।"
- **प्लास्टिक:** सिंथेटिक या अर्ध-सिंथेटिक सामग्रियों की विस्तृत श्रृंखला जो मुख्य घटक के रूप में पॉलिमर का उपयोग करती है, उनकी परिभाषित गुणवत्ता उनकी प्लास्टिसिटी है - एक ठोस सामग्री की स्थायी विरूपण से गुजरने की क्षमता।
- **निर्माण:** अधिकांश आधुनिक प्लास्टिक प्राकृतिक गैस या पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन आधारित रसायनों से प्राप्त होते हैं।

- **बायोडिग्रेडेबल वेरिएंट:** मकई या कपास डेरिवेटिव से बने।

प्लास्टिक प्रयोग से होने वाले नुकसान

- **प्लास्टिक प्रदूषण:** प्लास्टिक कचरे के कुप्रबंधन के कारण और प्लास्टिक की वस्तुओं और कणों के रिसाव और संचय के कारण होता है जो मनुष्यों और जीवित और गैर-जीवित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।
- **धीमी गति से क्षरण:** प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में इसकी धीमी अपघटन दर के कारण प्लास्टिक का उन्मूलन कठिन है।
- **माइक्रोप्लास्टिक्स:** प्लास्टिक अत्यंत छोटे टुकड़ों में टूट जाता है जिनका व्यास पांच मिलीमीटर से कम होता है। एक औसत इंसान सालाना ~50,000 माइक्रोप्लास्टिक कणों का उपभोग करता है।
- **मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव:** प्लास्टिक में मौजूद बीपीए भोजन और पेय पदार्थों को दूषित करता है, जिससे लिवर की कार्यप्रणाली, इंसुलिन प्रतिरोध, गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के विकास, प्रजनन प्रणाली और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव होता है।
- **समुद्री प्रदूषण:** समुद्र में प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक का सबसे बड़ा संग्रह ग्रेट पैसिफिक गारबेज पैच में है - जो उत्तरी प्रशांत महासागर में समुद्री मलबे का संग्रह है।
- **प्लास्टिस्फेयर:** प्लास्टिक पृथ्वी के जीवाश्म रिकॉर्ड का हिस्सा बन रहा है और हमारे वर्तमान भूवैज्ञानिक युग, एंथ्रोपोसीन का एक मार्कर बन रहा है। यहां तक कि उन्हें "प्लास्टिस्फेयर" भी कहा गया है।
- **जलवायु परिवर्तन:** प्लास्टिक ग्लोबल वार्मिंग में भी योगदान देता है। यदि प्लास्टिक कचरे को जला दिया जाए तो इससे जहरीला धुंआ और कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है।
- **पर्यटन और अर्थव्यवस्था:** प्लास्टिक कचरा पर्यटन स्थलों के सौंदर्य मूल्य को नुकसान पहुंचाता है, जिससे पर्यटन से संबंधित आय में कमी आती है।

प्लास्टिक के खतरे पर अंकुश लगाने की पहल

वैश्विक प्रयास	भारत के प्रयास
• अपशिष्टों और अन्य पदार्थों की डंपिंग द्वारा समुद्री प्रदूषण की रोकथाम पर 1972 का कन्वेंशन (या लंदन कन्वेंशन) • लंदन कन्वेंशन के लिए 1996 प्रोटोकॉल (लंदन प्रोटोकॉल) • जहाजों से प्रदूषण की रोकथाम के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (MARPOL) का 1978 प्रोटोकॉल। • ग्लोलिटर पार्टनरशिप्स (जीएलपी) - अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा शुरू की गई एक परियोजना। • क्लीन सीज अभियान - प्लास्टिक पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करने के लिए 2017 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण द्वारा शुरू किया गया। • ग्रीनपीस - एक पर्यावरण एनजीओ जो दुनिया भर में महासागरों और समुद्री जीवन के संरक्षण के लिए समर्पित है।	• भारत द्वारा कई राज्यों में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध - जैसे बैग, कप, प्लेट, कटलरी और स्ट्रॉ। • विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) - प्लास्टिक निर्माताओं को उनके उत्पादों से उत्पन्न कचरे के प्रबंधन और निपटान के लिए जिम्मेदार बनाना। • प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 - वे पुनर्चक्रण, अपशिष्ट-से-ऊर्जा पहल आदि के माध्यम से प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। • प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2022 - इसमें पचहत्तर माइक्रोमीटर से कम के वर्जिन या पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक से बने कैरी बैग के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। • स्वच्छ भारत अभियान - इसमें प्लास्टिक कचरे का संग्रहण और निपटान शामिल है। • प्लास्टिक पार्क - प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण और प्रसंस्करण के लिए विशेष औद्योगिक क्षेत्र।

- **संयुक्त राष्ट्र संकल्प** - भारत सहित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के पक्षकार 124 देशों ने एक समझौता तैयार करने के लिए एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए जो भविष्य में प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए हस्ताक्षरकर्ताओं के लिए इसे कानूनी रूप से बाध्यकारी बना देगा।

- **समुद्र तट सफाई** अभियान - भारत सरकार और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित।
- **जागरूकता अभियान** - लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें टिकाऊ विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- भारत MARPOL (समुद्री प्रदूषण की रोकथाम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) का एक हस्ताक्षरकर्ता है।
- **इंडिया प्लास्टिक चैलेंज - हैकथॉन 2021** - प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के स्टार्ट-अप और छात्रों को आमंत्रित करने वाली एक अनूठी प्रतियोगिता।

भारत के अनुसूचित क्षेत्र

भारत के 705 अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय - जो देश की आबादी का 8.6% है - 26 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों में रहते हैं। अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित अनुच्छेद 244, अनुसूचित जनजाति के लिए सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान है। अनुच्छेद 244(1) असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अलावा किसी भी राज्य में अधिसूचित अनुसूचित क्षेत्रों में पांचवीं अनुसूची प्रावधानों को लागू करने का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 244(2) के अनुसार छठी अनुसूची इन राज्यों पर लागू होती है।

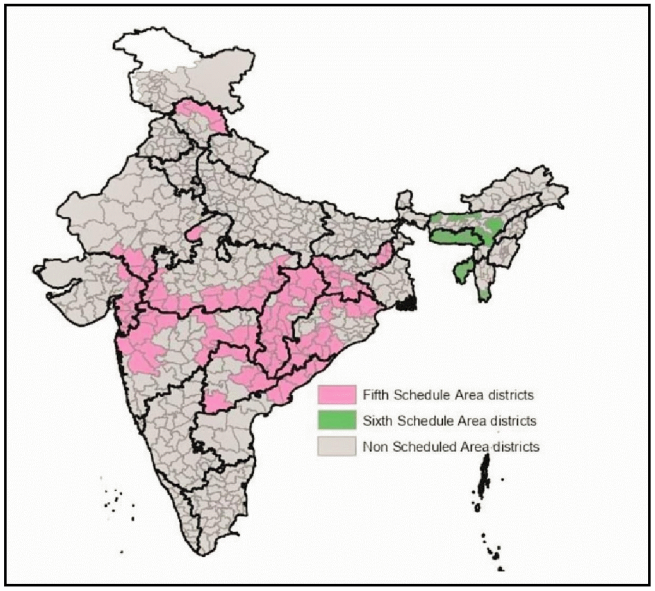

अनुसूचित क्षेत्र

- **विवरण:** भारत के 11.3% भूमि क्षेत्र को कवर करने वाले क्षेत्र जहाँ विभिन्न अनुसूचित जनजाति समुदायों द्वारा निवास किया जाता है (जो देश की आबादी का 8.6% बनाते है)।
- **V अनुसूची के तहत 10 राज्यों में नामित:** आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश।
- छठी अनुसूची के तहत 4 राज्यों में नामित: असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम।
- पहचान के लिए मानदंड:
  - महत्वपूर्ण जनजातीय जनसंख्या
  - सघनता
  - उचित आकार
  - एक प्रशासनिक इकाई के रूप में व्यवहार्यता
  - पड़ोसी क्षेत्रों की तुलना में आर्थिक पिछड़ापन।
- **भूरिया आयोग की अनुशंसा:** इसने 1951 की जनगणना के अनुसार 40% या अधिक आदिवासी आबादी वाले क्षेत्रों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में अनुशंसित किया।

संवैधानिक प्रावधान और शासन:

- **अनुच्छेद 244 (1):** यह असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अलावा अन्य राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों में पांचवीं अनुसूची प्रावधानों को लागू करता है।

- **अनुच्छेद 244 (2):** यह उपरोक्त राज्यों पर छठी अनुसूची लागू करता है।
- **जनजातीय सलाहकार परिषद:** भारत के राष्ट्रपति अनुसूचित क्षेत्रों को अधिसूचित करते हैं, और अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण मामलों पर राज्यपाल को सलाह देने के लिए एक जनजातीय सलाहकार परिषद की स्थापना करते हैं।
- **1996 का पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (PESA):** यह ग्राम सभाओं को सशक्त बनाता है, उन्हें प्रत्यक्ष लोकतंत्र के माध्यम से पर्याप्त अधिकार प्रदान करता है, स्थानीय स्व-शासन को प्राथमिकता देता है।

अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित चिंताएँ

- **अनुचित और अपर्याप्त समावेशन:** भारत की अनुसूचित जनजाति आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा (59%) अनुच्छेद 244 के दायरे से बाहर है, जो उन्हें अनुसूचित क्षेत्रों में लागू कानूनों के तहत संरक्षित अधिकारों से वंचित करता है।
- **व्यवहार्य एसटी-बहुसंख्यक प्रशासनिक इकाइयों की अनुपस्थिति:** इसने अनुसूचित क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को गैर-अधिसूचित करने की मांग को भी जन्म दिया है।
- **अधिकारों का हनन:** अनुसूचित क्षेत्रों पर लागू कानूनों के तहत, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार विधेयक, 2013 और जैविक विविधता अधिनियम 2002.

अनुसूचित जनजाति से संबंधित प्रावधान

- भारत का संविधान अनुसूचित जनजाति की मान्यता के लिए मानदंड परिभाषित नहीं करता है। 1931 की जनगणना के अनुसार, अनुसूचित जनजाति को "बहिष्कृत" और "आंशिक रूप से बहिष्कृत" क्षेत्रों में रहने वाली "पिछड़ी जनजाति" कहा जाता है। 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने पहली बार प्रांतीय विधानसभाओं में "पिछड़ी जनजातियों" के प्रतिनिधियों को बुलाया।
- अनुच्छेद 366(25): एसटी को "ऐसी जनजातियों या जनजातीय समुदायों या ऐसे जनजातियों या जनजातीय समुदायों के कुछ हिस्सों या समूहों के रूप में परिभाषित करता है जिन्हें इस संविधान के प्रयोजनों के लिए अनुच्छेद 342 के तहत अनुसूचित जनजाति माना जाता है।"
  - अस्पृश्यता के विरुद्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955
  - अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989
  - पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996)
  - अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वनवासी अधिनियम, 2006 (वन अधिकारों की मान्यता)
- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जहां एसटी सबसे बड़ा समुदाय है, वहां किसी भी रहने वाले क्षेत्र या रहने वाले क्षेत्रों के समूह को अनुसूचित क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए, भले ही वे जुड़े हुए न हों। इसमें वन भूमि भी शामिल होनी चाहिए जहां 2006 का वन अधिकार अधिनियम लागू होता है, और राज्य कानूनों द्वारा परिभाषित नियमित भूमि के भीतर की सीमाएं भी शामिल होनी चाहिए।

मल्टीमॉडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

- एआई मॉडल की अगली सीमा कैसी दिखेगी, इसके बारे में उत्सुक किसी के लिए, सभी संकेत मल्टीमॉडल सिस्टम की ओर इशारा कर रहे हैं, जहां उपयोगकर्ता एआई के साथ कई तरीकों से जुड़ सकते हैं। लोग विचारों को आत्मसात करते हैं और अपने आस-पास की छवियों, ध्वनियों, वीडियो और पाठ से अर्थ निकालकर संदर्भ बनाते हैं। एक चैटबॉट, भले ही वह सक्षम कविता लिख सकता है और अमेरिकी बार को पास कर सकता है, अनुभूति की इस परिपूर्णता से शायद ही मेल खाता हो। यदि एआई सिस्टम को जितना संभव हो सके मानव मस्तिष्क के समान बनाना है, तो प्राकृतिक पाठ्यक्रम को मल्टीमॉडल होना होगा।

मल्टीमॉडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

- **अर्थ:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता जो अधिक सटीक निर्धारण करने, व्यावहारिक निष्कर्ष निकालने या वास्तविक दुनिया की समस्याओं के बारे में अधिक सटीक भविष्यवाणियां करने के लिए डेटा के कई प्रकारों या तरीकों को जोड़ती है।

- **तंत्र:** ये प्रणालियाँ वीडियो, ऑडियो, भाषण, चित्र, पाठ और पारंपरिक संख्यात्मक डेटा सेट की एक श्रृंखला के साथ प्रशिक्षण और उपयोग करती हैं।

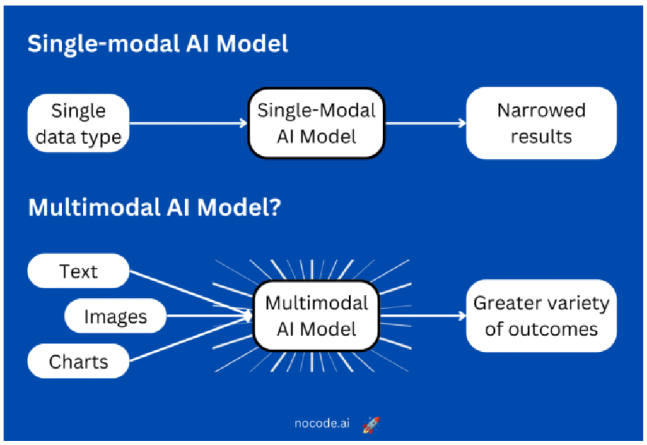

हालिया घटनाक्रम

- **ChatGPT:** OpenAI द्वारा विकसित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता भाषा मॉडल। यह मॉडलों की GPT (जेनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफार्मर) श्रृंखला का हिस्सा है। इसे प्राप्त इनपुट के आधार पर मानव-जैसे पाठ को समझने और उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **गोबी:** OpenAI "गोबी" नामक एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, जिसका लक्ष्य जीपीटी मॉडल से अलग, स्क्रैच से एक मल्टीमॉडल एआई सिस्टम बनाना है।
- **Google का जेमिनी मॉडल:** अपने खोज इंजन और YouTube से छवियों और वीडियो के विशाल संग्रह के कारण, Google को मल्टीमॉडल डोमेन में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट बढ़त हासिल हुई।

मल्टीमॉडल और सिंगल मॉडल एआई के बीच तुलना

मल्टीमॉडल AI	सिंगल मॉडल AI
• कई प्रकार के डेटा (पाठ, चित्र, ऑडियो, आदि) को संसाधित करता है। • मॉडल के संयोजन से समृद्ध संदर्भ और समझ प्रदान करता है। • संपूर्ण डोमेन में सटीकता, मजबूती और समस्या समाधान को बढ़ाता है। • अधिक प्राकृतिक उपयोगकर्ता इंटरैक्शन को सक्षम बनाता है। • व्यापक अनुप्रयोगों का समर्थन करता है लेकिन इसे विकसित करना अधिक जटिल हो सकता है.	• एक ही प्रकार के डेटा पर ध्यान केंद्रित करता है (उदाहरण के लिए, केवल-पाठ या केवल-छवि)। • मल्टीमॉडल सिस्टम की तुलना में संदर्भ और समझ में सीमित। • इसके क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिए विकास करना आसान हो सकता है। • विविध सूचना स्रोतों को संभालने में कम बहुमुखी। • मल्टीमॉडल एआई की तुलना में संकीर्ण अनुप्रयोग।

मल्टीमॉडल एआई के अनुप्रयोग

- **स्वास्थ्य देखभाल:** रोगी डेटा और चिकित्सा इमेजिंग के संयोजन के माध्यम से निदान।
- **स्वायत्त वाहन:** दृश्य और सेंसर डेटा फ़्यूज़न का उपयोग करके सुरक्षित नेविगेशन।
- **शिक्षा:** पाठ, छवियों और ऑडियो के साथ इंटरैक्टिव शिक्षण।
- **ग्राहक सेवा:** टेक्स्ट, भाषण और दृश्यों को एकीकृत करने वाले बेहतर चैटबॉट।
- **सामग्री निर्माण:** पाठ, छवियों और वीडियो से मल्टीमीडिया सामग्री निर्माण।
- **मीडिया और मनोरंजन:** विभिन्न मीडिया प्रकारों के लिए वैयक्तिकृत अनुशंसाएँ।
- **सुरक्षा और निगरानी:** वीडियो, सेंसर और टेक्स्ट डेटा से खतरे का पता लगाना।
- **सोशल मीडिया विश्लेषण:** टेक्स्ट, छवियों और वीडियो के माध्यम से रुझानों को समझना।
- **अभिगम्यता:** भाषण, छवि पहचान और इशारों के साथ समावेशी तकनीक।
- **ई-कॉमर्स:** टेक्स्ट, छवियों और उपयोगकर्ता प्राथमिकताओं का उपयोग करके उन्नत उत्पाद खोज

मल्टीमॉडल एआई की चुनौतियाँ

- **डेटा फ़्यूज़न:** संदर्भ या प्रासंगिकता खोए बिना विविध डेटा स्रोतों को एकीकृत करना।
- **संरेखण और तुल्यकालन:** सटीक विश्लेषण के लिए विभिन्न मॉडलों का समय और संरेखण सुनिश्चित करना।

- **मॉडलिंग में जटिलता:** कई डेटा प्रकारों को कुशलतापूर्वक संभालने में सक्षम मॉडल विकसित करना।
- **कम्प्यूटेशनल मांगें:** एक साथ कई मॉडलों को संसाधित करने के लिए उच्च कम्प्यूटेशनल संसाधनों की आवश्यकता होती है।
- **डोमेन अनुकूलन:** विभिन्न डोमेन के लिए मॉडल को अपनाना और सभी मॉडलों में सामान्यीकरण सुनिश्चित करना।
- **पूर्वाग्रह और निष्पक्षता:** विषम या अनुचित निष्कर्षों को रोकने के लिए प्रत्येक पद्धति में निहित पूर्वाग्रहों को संबोधित करना।
- **व्याख्यात्मकता:** कई डेटा स्रोतों में लिए गए निर्णयों को समझना

एआई की उपयोगिता विविध डोमेन तक फैली हुई है। स्वास्थ्य देखभाल में, यह निदान, दवा खोज और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं में सहायता करता है। वित्त में, यह लेनदेन को सुव्यवस्थित करता है, धोखाधड़ी का पता लगाता है और बाजार के रुझान की भविष्यवाणी करता है। शिक्षा में, एआई वैयक्तिकृत शिक्षण और मूल्यांकन को सक्षम बनाता है। ग्राहक सेवा में, यह त्वरित सहायता के लिए चैटबॉट्स को शक्ति प्रदान करता है। लॉजिस्टिक्स को अनुकूलित करने से लेकर साइबर सुरक्षा बढ़ाने तक, एआई की उपयोगिता कार्यों को स्वचालित करने, अंतर्दृष्टि के लिए विशाल डेटासेट का विश्लेषण करने और मानव क्षमताओं को बढ़ाने, उद्योगों में प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, सटीक और अनुकूलनीय बनाने में निहित है।

सरकारी तथ्य जांच इकाई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 29 सितंबर को आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2023 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। नियम केंद्र सरकार की तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) को केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित "नकली या गलत या भ्रामक" ऑनलाइन सामग्री की पहचान करने और इसे हटाने की मांग करने की अनुमति देते हैं।

तथ्य जांच इकाई के संबंध में चिंताएँ

- **हितों का टकराव:** पूर्वाग्रह हो सकता है क्योंकि सरकार तटस्थ नहीं हो सकती है।
- **सेंसरशिप की संभावना:** यह इकाई सूचना को नियंत्रित करके वाक् की स्वतंत्रता में बाधा डाल सकती है।
- **अधिकारों का उल्लंघन:** संभवतः संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए आईटी नियमों में बदलाव को कानूनी रूप से चुनौती दी गई है।

आगे की राह

- **कार्यक्षेत्र और शक्तियों की विशिष्टता:** सरकार को अपनी तथ्य-जांच इकाई के दायरे और शक्तियों को निर्दिष्ट करना चाहिए।
- **निष्पक्ष और स्वतंत्र निगरानी:** गलत सूचना और फर्जी खबरों का प्रबंधन सरकार द्वारा नहीं, बल्कि स्वतंत्र संगठनों द्वारा किया जाना चाहिए।
- **न्यायिक निरीक्षण:** सरकार द्वारा तथ्य-जांच शक्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए।
- **पूर्व सूचना और अपील:** जानकारी को गलत बताने से पहले पूर्व सूचना देने की प्रक्रिया होनी चाहिए और ऐसे निर्णयों के खिलाफ अपील करने का अधिकार होना चाहिए।
- **हितधारकों का समावेश:** अधिक निष्पक्ष दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए पत्रकारों और अन्य हितधारकों को शामिल किया जाना चाहिए।

भारत में जातीय जनगणना

बिहार में एक जाति सर्वेक्षण के प्रकाशन के बाद, जिसमें पाया गया कि बिहार की 13 करोड़ आबादी में से 63% अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों के तहत सूचीबद्ध जातियों से संबंधित हैं, प्रधान मंत्री ने आलोचना की और मांग को खारिज कर दिया। भारत सरकार ने 2021 में लोकसभा में कहा था कि उसने नीतिगत तौर पर जनगणना में एससी और एसटी के अलावा अन्य जाति-वार जनसंख्या की गणना नहीं करने का निर्णय लिया है।

भारत में जनगणना

- **उत्पत्ति:** भारत की जनगणना 1881 की औपनिवेशिक जनगणना से शुरू होती है।
- **महत्व:** इसका उपयोग सरकार, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और अन्य लोगों द्वारा भारतीय आबादी का आकलन करने, संसाधनों तक पहुँच बनाने,

सामाजिक परिवर्तन की रूपरेखा तय करने और परिसीमन अभ्यासों के लिये किया जाता है।

सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (SECC)

- **उत्पत्ति:** इसका आयोजन पहली बार 1931 में किया गया था
- **कार्य:** अभाव के संकेतकों की पहचान करने के लिए, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति पर जानकारी एकत्र करना।
- **महत्व:** यह विभिन्न जाति समूहों की आर्थिक स्थितियों का मूल्यांकन करने के लिए विशिष्ट जाति नामों पर डेटा भी एकत्र करता है।

जनगणना और SECC के बीच अंतर

जनगणना	SECC
यह भारतीय जनसंख्या का एक सामान्य चित्र प्रदान करता है	इसका उपयोग राज्य सहायता के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए किया जाता है
इसका डेटा 1948 के जनगणना अधिनियम के तहत गोपनीय है	एसईसीसी में व्यक्तिगत जानकारी सरकारी विभागों द्वारा परिवारों को लाभ देने/प्रतिबंधित करने के लिए उपयोग के लिए खुली है।

जाति जनगणना के पक्ष में तर्क

- **जाति-आधारित भेदभाव की व्यापकता को समाप्त करना:** जाति जनगणना वंचित समूहों की पहचान करने और उन्हें नीति निर्माण में सबसे आगे लाने में मदद कर सकती है।
- **संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करना:** जाति जनगणना नीति निर्माताओं को ऐसी नीतियां बनाने में मदद कर सकती है जो प्रत्येक समूह की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है।
- **सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की प्रभावशीलता की निगरानी:** जाति जनगणना आरक्षण जैसी सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन और परिणामों की निगरानी करने में मदद कर सकती है, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है।
- **भारतीय समाज की एक व्यापक तस्वीर प्रदान करना:** एक जाति जनगणना भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक तस्वीर प्रदान कर सकती है, जो सामाजिक ताने-बाने और विभिन्न जाति समूहों के बीच परस्पर क्रिया पर प्रकाश डालती है।
- **अधिदेश:** अनुच्छेद 340 सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थितियों की जांच करने और सरकारों द्वारा उठाए जाने वाले कदमों के बारे में सिफारिशें करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का आदेश देता है।

जाति जनगणना के विरुद्ध तर्क

- **समानता की भावना के खिलाफ और जाति व्यवस्था को मजबूत करता है:** जाति-आधारित भेदभाव अवैध है और जाति जनगणना केवल जाति व्यवस्था को मजबूत करेगी।
- **जातियों को परिभाषित करना कठिन:** जातियों को परिभाषित करना एक जटिल मुद्दा है और जाति जनगणना के लिए जातियों की स्पष्ट परिभाषा की आवश्यकता होगी। इसलिए, इससे समाज में भ्रम, विवाद और आगे विभाजन हो सकता है।
- **सामाजिक विभाजन को गहरा कर सकता है:** जाति जनगणना से सामाजिक विभाजन और बढ़ सकता है और इसके बजाय सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने पर ध्यान देना बेहतर है।

आगे की राह

- **जिला और राज्य स्तर पर स्वतंत्र अध्ययन:** वे उन स्तरों पर जातियों और उपजातियों का डेटा प्रदान कर सकते हैं।
- **प्रौद्योगिकियों का उपयोग:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग डेटा का विश्लेषण करने में मदद कर सकते हैं।
- **ओबीसी की कम प्रतिनिधित्व वाली उपजातियों को प्रतिनिधित्व** प्रदान करने के लिए ओबीसी का उपवर्गीकरण करना।

जाति जनगणना के पक्ष और विपक्ष में अंतहीन तर्क हैं; हालाँकि, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए ओबीसी और अन्य समूहों की जनसंख्या पर सटीक डेटा आवश्यक है। जाति जनगणना सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की प्रभावशीलता की निगरानी करने और भारतीय समाज की

एक व्यापक तस्वीर प्रदान करने में मदद कर सकती है। इसलिए नीति निर्माताओं के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि वे अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज प्रदान करने के लिए दोनों पक्षों के तर्कों पर सावधानीपूर्वक विचार करें।

इजराइल का गाजा पर आक्रमण

7 अक्टूबर को, गाजा पट्टी पर शासन करने वाले आतंकवादी समूह हमास ने जमीन, हवा और पानी से इजरायल पर हमला किया, जिसमें कई लोग हताहत हुए। जवाब में, इज़राइल ने भी हमलों की एक श्रृंखला शुरू की जिसके कारण 12000 से अधिक फ़िलिस्तीनियों की मौत हो गई।

इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष

- **बाल्फोर घोषणा:** 1917 में, तत्कालीन ब्रिटिश विदेश सचिव आर्थर जेम्स बाल्फोर ने बाल्फोर घोषणा के तहत फिलिस्तीन में एक यहूदी "राष्ट्रीय घर" के लिए ब्रिटेन का आधिकारिक समर्थन व्यक्त किया।
- **फिलिस्तीन का निर्माण:** अरब और यहूदी हिंसा को रोकने में असमर्थ, ब्रिटेन ने 1948 में फिलिस्तीन से अपनी सेना वापस ले ली, और प्रतिस्पर्धी दावों को हल करने की जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र पर छोड़ दी।
- **संयुक्त राष्ट्र की योजना:** संयुक्त राष्ट्र ने फ़िलिस्तीन में स्वतंत्र यहूदी और अरब राज्य बनाने के लिए एक विभाजन योजना प्रस्तुत की जिसे अधिकांश अरब देशों ने स्वीकार नहीं किया।
- **अरब इज़राइली युद्ध (1948):** 1948 में, इज़राइल की स्वतंत्रता की यहूदी घोषणा के कारण अरब राज्यों पर हमला हुआ। हालाँकि, इज़राइल ने युद्ध के अंत में संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना की मूल कल्पना से लगभग 50% अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया।
- **संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना:** योजना के अनुसार, जॉर्डन ने वेस्ट बैंक और यरूशलेम के पवित्र स्थलों को नियंत्रित किया, और मिस्र ने गाजा पट्टी को नियंत्रित किया। लेकिन यह असफल रहा और इसके परिणामस्वरूप 1964 में फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन का गठन हुआ।
- **फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ):** इसका उद्देश्य फ़िलिस्तीन को इज़राइल और यहूदी प्रभुत्व के चंगुल से मुक्त कराना और अरब दुनिया में मुस्लिम ब्रदरहुड का प्रभुत्व स्थापित करना था।
- **छह दिवसीय युद्ध, 1967:** इजरायली सेना ने सीरिया से गोलान हाइट्स, जॉर्डन से वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम और मिस्र से सिनाई प्रायद्वीप और गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया।
- **कैंप डेविड समझौते (1978):** अमेरिका की मध्यस्थता में "मध्य पूर्व में शांति के लिए रूपरेखा" ने इज़राइल और उसके पड़ोसियों के बीच शांति वार्ता और "फिलिस्तीनी समस्या" (एक विफलता) के समाधान के लिए मंच तैयार किया।
- **हमास की स्थापना, 1987:** मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की एक हिंसक शाखा जो हिंसक जिहाद के माध्यम से अपने एजेंडे को पूरा करना चाहती थी। अमेरिकी सरकार इसे आतंकवादी संगठन मानती है। 2006 में, हमास ने फिलिस्तीनी प्राधिकरण के विधायी चुनाव जीते। इसने 2007 में फतह को गाजा से बेदखल कर दिया, साथ ही फिलिस्तीनी आंदोलन को भौगोलिक रूप से भी विभाजित कर दिया
- **पहला इंतिफादा (फिलिस्तीनी विद्रोह):** वेस्ट बैंक और गाजा के कब्जे वाले क्षेत्रों में तनाव चरम बिंदु पर पहुंच गया जिसके परिणामस्वरूप पहला इंतिफादा हुआ। यह फ़िलिस्तीनी उग्रवादियों और इज़रायली सेना के बीच एक छोटे युद्ध में बदल गया।
- **ओस्लो समझौता:** इज़राइल और पीएलओ आधिकारिक तौर पर एक दूसरे को मान्यता देने और हिंसा का उपयोग छोड़ने पर सहमत हुए। ओस्लो समझौते ने फिलिस्तीनी प्राधिकरण की भी स्थापना की, जिसे गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों में सीमित स्वायत्तता प्राप्त हुई।
- **2005:** इज़राइल ने गाजा में बस्तियों से यहूदियों की एकतरफा वापसी शुरू की लेकिन सभी सीमा पार (नाकाबंदी) पर कड़ा नियंत्रण रखा।
- **2012:** संयुक्त राष्ट्र ने फ़िलिस्तीनी प्रतिनिधित्व को "गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य" में उन्नत किया।

पड़ोसी देशों के साथ इज़राइल का क्षेत्रीय विवाद

वेस्ट बैंक:

- इज़राइल और जॉर्डन के बीच।
- 1967 के युद्ध में इजराइल ने इस पर कब्जा कर लिया था और पिछले कुछ वर्षों में उसने वहां बस्तियां स्थापित कर ली हैं।

गाज़ा:

- इजराइल और मिस्र के बीच स्थित है।
- 1967 के बाद इजराइल ने कब्ज़ा कर लिया।

- बाद में, ओस्लो शांति प्रक्रिया के दौरान इसने गाजा शहर और अधिकांश क्षेत्र में दैनिक प्रशासन का नियंत्रण छोड़ दिया।
- 2005: इज़राइल ने एकतरफा तौर पर इस क्षेत्र से यहूदी बस्तियों को हटा दिया, हालांकि उसने इस तक अंतरराष्ट्रीय पहुंच को नियंत्रित करना जारी रखा

गोलान हाइट्स:

- 1967 के युद्ध में इज़राइल द्वारा सीरिया से कब्ज़ा किया गया एक रणनीतिक पठार।
- इज़राइल ने 1981 में इस क्षेत्र पर प्रभावी रूप से कब्ज़ा कर लिया।
- येरुशलम और गोलान हाइट्स को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इज़राइल के हिस्से के रूप में मान्यता दी गई।

चीन-भूटान सीमा वार्ता और भारत पर प्रभाव

हाल ही में, भूटानी विदेश मंत्री ने चीन की यात्रा की, जो महत्वपूर्ण है क्योंकि भूटान और चीन के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं और यह यात्रा किसी भूटानी विदेश मंत्री की पहली यात्रा है। चीन और भूटान ने बीजिंग में अपनी 25 वें दौर की सीमा वार्ता आयोजित की और "भूटान-चीन सीमा के परिसीमन और सीमांकन पर संयुक्त तकनीकी टीम (जेटीटी) की जिम्मेदारियों और कार्यों" पर एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह सीमा समाधान के लिए 2021 में शुरू किए गए उनके 3-चरणीय रोडमैप को आगे बढ़ाता है , जो 2016 में उनकी आखिरी वार्ता के बाद से सकारात्मक गति पर आधारित है।

चीन-भूटान सीमा विवाद

- **भूटान-चीन सीमा:** 477 किमी लंबी सीमा।

भूटान के क्षेत्रों पर चीन का दावा:

- उत्तर - पासमलुंग और जकारलुंग घाटियाँ (भूटान के लिए सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण)
- पश्चिम - डोकलाम, ड्रामाना, और शाखाटो, याक चू और चरिथांग चू, और सिंचुलुंगपा और लैंगमारपो घाटियाँ (चरागाह-समृद्ध और रणनीतिक रूप से भूटान-भारत-चीन सीमा में स्थित)।
- पूर्व - 2020 में, चीन ने भूटान के पूर्व में साकतेंग अभयारण्य में नया दावा किया।

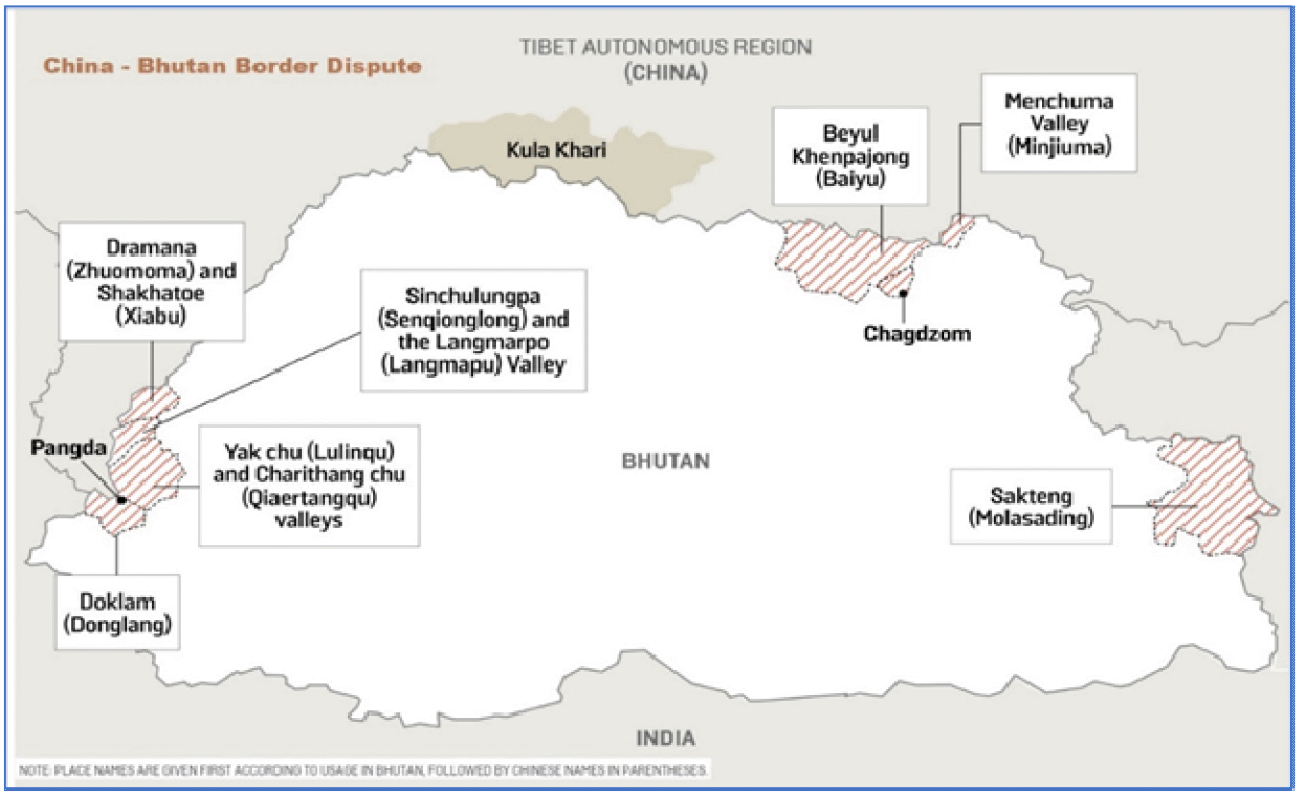

भूटान और चीन के बीच सीमा वार्ता

- **प्रारंभिक सीमा वार्ता:** भूटान ने 1984 में चीन के साथ अपनी पहली सीमा वार्ता शुरू की।
- **वार्ता के कई दौर:** आज तक, दोनों देशों ने 11 विशेषज्ञ समूह की बैठकें और 24 दौर की सीमा वार्ता की है।
- **अक्टूबर 2021:** भूटान और चीन ने चीन-भूटान सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए तीन-चरणीय रोडमैप पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए (सार्वजनिक नहीं किया गया)।

भारत की चिंताएँ

- **भारत के रणनीतिक हित:** भारत डोकलाम के पास चीन की उपस्थिति को रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के निकट होने के कारण एक बड़ी सुरक्षा चिंता मानता है।
- **सीमा पर दावा:** चीन ने अरुणाचल की सीमा के पास भूटान में एक वन्यजीव अभयारण्य पर दावा किया है। इसके चलते दिसंबर 2022 में अरुणाचल के तवांग सेक्टर में LAC पर भारतीय और चीनी सेना के जवानों के बीच झड़प हो गई।

भूटान-चीन के बढ़ते संबंधों का भारत पर प्रभाव

- **सुरक्षा निहितार्थ:** भूटान में चीन की उपस्थिति और प्रभाव डोकलाम पठार में भारत के सुरक्षा हितों के लिए खतरा पैदा कर सकता है।
- **बफर राज्य का क्षरण:** भारत एक बफर राज्य के रूप में भूटान पर अपना प्रभाव भी खो देगा और उसे चीन और पाकिस्तान के साथ संभावित दो-मोर्चे पर युद्ध परिदृश्य से निपटना होगा।
- **आर्थिक निहितार्थ:** यदि भूटान चीन के साथ अपने आर्थिक संबंधों में विविधता लाता है, तो इससे भारत पर उसकी निर्भरता कम हो सकती है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।
- **राजनयिक निहितार्थ:** चीन के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित करने से भूटान की पारंपरिक भारत समर्थक विदेश नीति प्रभावित हो सकती है और क्षेत्र में भारत के प्रभाव को चुनौती मिल सकती है।
- **बुनियादी ढाँचा और कनेक्टिविटी:** यदि भूटान चीन के BRI में भाग लेता है, तो इसका क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे के विकास और कनेक्टिविटी पर प्रभाव पड़ सकता है।
- **क्षेत्रीय संगठनों में प्रभाव:** चीन के साथ भूटान का समझौता सार्क और बिम्सटेक जैसे क्षेत्रीय संगठनों में भारत के प्रभाव को प्रभावित कर सकता है।

चीन और भूटान के बीच सीमा विवाद सुलझाने में चुनौतियाँ

- **द्विपक्षीय मुद्दा नहीं:** सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चीन को भूटान-चीन सीमा विवाद को द्विपक्षीय मुद्दा मानना बंद करना होगा और इसमें भारत को भी शामिल करना होगा।
- **पश्चिमी विवादित क्षेत्रों में बढ़ता चीनी विस्तार:** भारत ने भूटान को चीन की घुसपैठ की चेतावनी दी है। इसके बावजूद, वह अधिक चीनी हठधर्मिता के डर से, अधिक भारतीय सहायता लेने में अनिच्छुक रहता है।
- एक सीमा समझौता जो पश्चिम में भारत की सीमाओं को संरक्षित करते हुए उत्तर में भूटानी चिंताओं को संबोधित करता है, जरूरी नहीं कि नई दिल्ली के हितों को कमजोर करेगा। सतर्क रहने के बजाय, भारत को सीमा वार्ता को भूटान के तर्क की अधिक समझ के साथ करना चाहिए। भारत को यह भी विश्वास होना चाहिए कि भारत का लंबे समय से भरोसेमंद पड़ोसी किसी भी अंतिम समझौते से पहले भारत के हितों और अपने हितों दोनों को ध्यान में रखेगा।

कार्बन नैनोफ्लोरेट्स

- हाल ही में, आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने कार्बन नैनोफ्लोरेट बनाए जो बेजोड़ दक्षता के साथ सूर्य के प्रकाश को ऊष्मा में परिवर्तित करने में सक्षम हैं।
- यह विकास कार्बन पदचिह्न को कम करते हुए स्थायी ताप समाधानों में क्रांति लाने की क्षमता रखता है।

कार्बन नैनोफ्लोरेट्स

- **विवरण:** केवल कार्बन से बने छोटे गेंदे के आकार के फूल।
- **महत्व:** कार्बन नैनोफ्लोरेट्स 87% की प्रभावशाली प्रकाश अवशोषण दक्षता प्रदर्शित करते हैं।
- **कार्यप्रणाली:** वे इन्फ्रारेड, दृश्यमान प्रकाश और पराबैंगनी सहित सूर्य के प्रकाश की कई आवृत्तियों को अवशोषित कर सकते हैं।
- **पारंपरिक सौर-थर्मल सामग्री:** वे आम तौर पर केवल दृश्यमान प्रकाश और पराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित करते हैं।

वे कैसे बने हैं?

- **DFNS को गर्म करना:** शोधकर्ताओं ने DFNS (डेंड्रिटिक फाइबर नैनोसिलिका) नामक सिलिकॉन धूल के एक विशेष रूप को भट्टी में गर्म किया।
- **एसिटिलीन का प्रयोग:** एक बार गर्म होने पर, एसिटिलीन गैस को DFNS में डाला गया जिससे सफेद पाउडर काला हो गया।
- **रासायनिक प्रतिक्रिया:** उन्होंने काला पाउडर एकत्र किया और इससे एक मजबूत रसायन के साथ प्रतिक्रया की जिसने DFNS को घुल गया, जिससे कार्बन कण बच गए।
- **नई संरचना:** सिलिकॉन कणों की संरचना - आकार में 50- 1200 नैनोमीटर - एक गोले के चारों ओर व्यवस्थित स्पाइक्स के समान होती है।

महत्व

- **प्रकाश परावर्तन को कम करता है:** यह अधिकतम आंतरिक अवशोषण भी सुनिश्चित करता है।
- **ऊर्जा दक्षता:** यह विशिष्ट डिज़ाइन सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करता है और बनाए रखता है, इसे तापीय ऊर्जा में परिवर्तित करता है।
- **न्यूनतम ऊष्मा अपव्यय:** उत्पन्न ऊष्मा को लंबी दूरी तक नहीं ले जाया जाता है जो पर्यावरण में ऊष्मा के अपव्यय को कम करता है, जिससे नैनोफ्लोरेट्स को उत्पन्न थर्मल ऊर्जा को प्रभावी ढंग से बनाए रखने और उपयोग करने की अनुमति मिलती है।

अनुप्रयोग

- **पानी का कुशल तापन:** कार्बन नैनोफ्लोरेट्स की एक वर्ग मीटर की कोटिंग एक घंटे के भीतर ~ 5 लीटर पानी को वाष्पीकृत कर सकती है, जो वाणिज्यिक सौर स्थिरांक के प्रदर्शन को पार कर जाती है। यह जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है।
- **पर्यावरण-अनुकूल हीटिंग:** नैनोफ्लोरेट कोटिंग्स का उपयोग करके, उपयोगकर्ता पर्यावरण के अनुकूल तरीके से अपने घरों को गर्म करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं, जिससे उनके कार्बन पदचिह्न को कम किया जा सकता है।
- **स्थिरता और दीर्घायु:** लेपित नैनोफ्लोरेट न्यूनतम आठ वर्षों के जीवनकाल के साथ असाधारण स्थिरता प्रदर्शित करते हैं।

मॉडल प्रश्न पत्र

Q.1 अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण कहां किया गया?
(a) इंदौर (b) लखनऊ
(c) ग्वालियर (d) जयपुर

Q.2 हाल ही में भारत सरकार और जापानी बैंक फॉर इंटरनेशनल कॉपरेशन JBIC ने मिलकर राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना फंड NIIF लांच किया। इसमें भारत सरकार और JBIC के मध्य साझेदारी अनुपात था-
(a) 50:50 (b) 60:40
(c) 90:10 (d) 49:51

Q.3 युवाओं की प्रौद्योगिकी और संसाधनों तक पहुंच में वृद्धि करने हेतु केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक स्वायत्तशासी निकाय की मंजूरी दी, वह है?
(a) युवा मित्र (b) सशक्त युवा
(c) जवान भारत (d) मेरा युवा भारत

Q.4 हाल ही में केन्द्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा किस यूनिवर्सिटी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया -
(a) के.के. स्कूल ऑफ आर्ट्स
(b) जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स
(c) एसके.. स्कूल ऑफ आर्ट्स
(d) आर.आरस्कूल ऑफ आर्ट्स .

Q.5 तरल नैनो डीएपी संयंत्र का उद्घाटन कहाँ किया गया-
(a) सूरत (b) जयपुर
(c) कलोल (d) उदयपुर

Q.6 अपशिष्ट से कलास्क्रैप से मूर्तिकला प्रदर्शिनी का - उद्घाटन कहाँ किया गया -
(a) ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
(b) ललित कला अकादमी, जयपुर
(c) जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
(d) केन्द्रीय संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

Q.7 "मैत्री सुपर थर्मल बिजली संयंत्र की द्वितीय इकाई की स्थापना की गई।" यह किनकिन देशों के मध्य - समझौते से स्थापित हुई है-
(a) भारत नेपाल- (b) भारत चीन-
(c) भारतमालदीव- (d) भारत-बांग्लादेश

Q.8 'PM-AJAY' योजना का संबंध किस मंत्रालय से है-
(a) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
(b) रक्षा मंत्रालय
(c) जनजातीय कार्य मंत्रालय
(d) ग्रामीण विकास मंत्रालय

Q.9 'जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना' किस राज्य से संबंधित है-
(a) उत्तरप्रदेश (b) उत्तराखण्ड
(c) राजस्थान (d) a एवं b दोनों

Q.10 'वैश्विक ऊर्जा आउटलुक रिपोर्ट-2022के अनुसार ' किस वर्ष में ग्लोबल उत्सर्जन अपने चरम पर होगा-
(a) 2025 (b) 2030
(c) 2040 (d) 2050

Q.11 हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा भारत कृत्रिम बुद्धिमता रिपोर्ट का कौनसा संस्करण जारी किया -
(a) प्रथम (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) चतुर्थ

Q.12 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2023' में भारत ने कौनमा स्थान प्राप्त किया -
(a) 120 (b) 121
(c) 122 (d) 119

Q.13 'हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट-2023' के अनुसार भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बने -
(a) अनिल अंबानी (b) मुकेश अंबानी
(c) रतन टाटा (d)राकेश झुन्झुनवाला

Q.14 ब्रॉडबैंड इंटरनेट गति पर स्पीड टेस्ट ग्लोबल इंडेक्स किस संस्था द्वारा जारी की गई -
(a) टोकला (b) जोकला
(c) ओकला (d) चीकला

Q.15 हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा I.T. Rule 2021 के उल्लंघन के कारण किन-किन संस्थाओं को नोटिस जारी किया -
(a) एक्स (b) यूट्यूब
(c) टेलीग्राम (d) उपरोक्त सभी

Q.16 उत्तरप्रदेश की प्रथम रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन कहाँ किया गया -
(a) गाजियाबाद (b) नोएडा
(c) गोरखपुर (d) मिर्जापुर

Q.17 इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा क्वांटम ए आई और सेमीकंडेक्टर हेतु किस संस्था से समझौता किया गया -
(a) IBM (b) C-Dac
(c) Apple (d) VIVO

Q.18 ए आई सुरक्षा शिखर सम्मेलन-2023 कहाँ आयोजित किया गया -
(a) अमेरिका (b) ब्रिटेन
(c) भारत (d) श्रीलंका

Q.19 एशियापैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग - डवलपमेंट का लगातार तीसरी बार अध्यक्ष किसे चुना गया-
(a) भूटान (b) चीन
(c) कनाडा (d) भारत

Q.20 हाल ही में WHO द्वारा R-21/मैट्रिक्स-M नामक टीके को मंजूरी दी, इसका संबंध किस रोग से है-
(a) मलेरिया (b) डेंगू
(c) चिकनगुनिया (d) हाथीपांव

Q.21 'संप्रति-XI' युद्धाभ्यास किनकिन देशों के मध्य - - हुआ
(a) भारत नेपाल- (b) भारत-फ्रांस
(c) भारत-बांग्लादेश (d) श्रीलंकाभारत-

Q.22 'प्रथम सैन्य विरासत महोत्सव' का आयोजन कहाँ किया गया -
(a) मुम्बई (b) बेंगलुरु
(c) कोच्ची (d) नई दिल्ली

Q.23 रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भरूच (गुजरात) में एक25T बोलार्ड टग का अनावण किया, उसका नाम है –
(a) महाबली (b) खली
(c) दबंग (d) घातक

Q.24 7वाँ कांजिंड युद्धाभ्यास का आयोजना कहाँ किया गया -
(a) कतर (b) दुबई
(c) बेंगलुरु (d) विशाखापत्तनम

Q.25 प्रशासन शहरों के संग अभियान की अवधि 30 सितम्बर 2023 से बढ़ाकर कितनी की गई -
(a) 31 Jan 2024 (b) 31 Dec 2024
(c) 31 Mar 2024 (d) 30 April 2024

Q.26 हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सांवलिया सेठ से IIIT कैंपस का उद्घाटन किया, यह कहां बना है -
(a) झालरापाटन झालावाड़))
(b) रानपुर (कोटा)
(c) नान्ता (कोटा)
(d) धानका (जयपुर)

Q.27 15वीं विधानसभा का समापन हो चुका है, इसमें कुल कितने सत्र बुलाये गये -
(a) 5 (b) 7
(c) 8 (d) 10

Q.28 हाल ही में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में सदस्य सचिव के पद पर किसे नियुक्त किया गया -
(a) डॉसुरेन्द्र यादव . (b) भलाराम परमार
(c) ललित तूनवाल (d) राजेन्द्र सैन

Q.29 प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थान की प्रथम विस्टाडोम हेरिटेज ट्रेन का शुभारंभ कहाँ से किया गया –
(a) गौरम घाट (b) कामली घाट
(c) केवड़ा की नाल (d) हाथी गुढ़ा की नाल

Q.30 म्यूनिसिपल बाँड जारी करने वाला राजस्थान का प्रथम नगरीय निकाय बना -
(a) जयपुर ग्रेटर नगर निगम
(b) जयपुर हेरिटेज नगर निगम
(c) कोटा उत्तर नगर निगम
(d) भरतपुर नगर निगम

Q.31 निम्न को सुम्मेलित कीजिए -

बोर्ड	अध्यक्ष
1. वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड	(a) देवेन्द्र सिंह बुटाटी
2. आर्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड	(b) राकेश कुमार गुप्ता
3. स्थापत्य कला बोर्ड	(c) रिछपाल मिर्धा
4. अग्रसेन कल्याण बोर्ड	(d) मुकेश वर्मा

कूट :-
(a) 1-c, 2-a, 3-d, 4-b
(b) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d
(c) 1-a, 2-c, 3-b, 4-d
(d) 1-b, 2-a, 3-c, 4-d

Q.32 राजस्थान के नगरीय निकायों के अध्यक्षों के मासिक भत्तों में कितनी वृद्धि की गई है -
(a) 10% (b) 20%
(c) 30% (d) 25%

Q.33 राजस्थान सरकार द्वारा नई नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2023 कब जारी की गई -
(a) 1 अक्टूबर (b) 3 अक्टूबर
(c) 6 अक्टूबर (d) 10 अक्टूबर

Q.34 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' कब मनाया जाता है -
(a) 1 अक्टूबर (b) 2 अक्टूबर
(c) 12 अक्टूबर (d) 31 अक्टूबर

Q.35 'अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस' कब मनाया जाता है?
(a) 10 अक्टूबर (b) 9 अक्टूबर
(c) 11 अक्टूबर (d) 12 अक्टूबर

Q.36 हाल ही में वर्ष 2023 के लिए नोबल पुरस्कार प्रदान किये गये। इनमें से असुमेलित युग्म को पहचानें -
(a) शांति का नोबल पुरस्कार - नरगिस मोहम्मदी
(b) चिकित्सा क्षेत्र का नोबल पुरस्कार - कैटोलिन कारिको और ड्रियू वीसमैन
(c) रसायन विज्ञान का नोबल पुरस्कार मौंगी - बावेंडी और लुईस ब्रूस
(d) साहित्य का नोबल पुरस्कार - क्लॉडिया गोल्डिन

Q.37 हाल ही में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन की अध्यक्षता किसे सौंपी गई -
(a) भारत (b) चीन
(c) नेपाल (d) श्रीलंका

Q.38 एशियन गेम्स-2023 में भारत द्वारा कितने स्वर्ण पदक प्राप्त किये गये -
(a) 24 (b) 25
(c) 28 (d) 30

Q.39 हाल ही में किसे सरस्वती सम्मान-2022 से सम्मानित किया गया -
(a) शिवशंकरी (b) अंजुमा
(c) गौरी देवी (d) राशिदा

Q.40 संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन)UNWTO) द्वारा किस गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का खिताब दिया -
(a) आभानेरी (दौसा) (b) धोर्डो (गुजरात(
(c) कांगडी उत्तराखण्ड)) (d) सिहारे)MP)

Q.41 पैरा एशियन गेम्स-2023 का आयोजन कहाँ किया गया -
(a) शंघाई (b) गुआंगजौ
(c) चाओयांग (d) होंगझोऊ

Q.42 हाल ही में किसे भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया -
(a) महेंद्र सिंह धोनी (b) राहुल द्रविड़
(c) कपिल देव (d) अमोल मजूमदार

Q.43 मलेशिया के नये नरेश के रूप में किसे चुना गया –
(a) अल सुल्तान अब्दुल्ला
(b) इब्राहिम सिकन्दर
(c) अल सुल्तान इब्राहिम
(d) अल सुल्तान सिकन्दर

Q.44 पुस्तक 'एन इंडियन सक्सेस स्टोरी :एग्रीकल्चर एंड कोऑपरेटिव-' किसके द्वारा लिखी गई -
(a) एस गिल .एस . (b) क्लॉडिया गॉल्डिन
(c) झुम्पा लाहिडी (d) शिवशंकरी

Q.45 हाल ही में एमस्वामीनाथन का निधन हुआ .एस ., उनका संबंध था -
(a) समाजसेवक (b) राजनेता
(c) वैज्ञानिक (d) इनमें से कोई नहीं

Q.46 हाल ही में किस देश में संविधान निर्माता डॉ .बी . अम्बेडकर की .आर19 फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया –
(a) कनाडा (b) अमेरिका
(c) थाईलैण्ड (d) ब्रिटेन

Q.47 हाल ही में बिशनसिंह बेदी का निधन हुआ, इनका संबंध किस्से था -
(a) हॉकी (b) फुटबॉल
(c) हैण्डबॉल (d) क्रिकेट

Q.48 हाल ही किस भारतीय को ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड-2023 दिया गया -
(a) अनिल अंबानी (b) राकेश झुन्झुनवाला
(c) मीरा सिंह (d) नीता अंबानी

Q.49 भारत की प्रथम रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के प्राथमिक खण्ड का उद्घाटन कहाँ से किया गया -

(a) गांधीनगर (जयपुर)

(b) साहिबाबाद (उत्तरप्रदेश)

(c) गांधीनगर (गुजरात)

(d) नैनीताल (उत्तराखण्ड)

Q.50 'भारतीय मोबाइल कांग्रेस-2023' में किन पोर्टल/पोर्टलों का प्रदर्शन किया गया -

(a) सरस (b) सम्पन्न

(c) दोनों (d) कोई नहीं

उत्तरकुंजिका									
1.	C	2.	D	3.	D	4.	B	5.	C
6.	A	7.	D	8.	A	9.	D	10.	A
11.	A	12.	B	13.	B	14.	C	15.	D
16.	C	17.	A	18.	B	19.	D	20.	A
21.	C	22.	D	23.	A	24.	A	25.	C
26.	B	27.	C	28.	B	29.	A	30.	D
31.	A	32.	B	33.	C	34.	B	35.	C
36.	D	37.	D	38.	C	39.	A	40.	B
41.	D	42.	D	43.	B	44.	A	45.	C
46.	B	47.	D	48.	D	49.	B	50.	C

RAS-2021 RESULT

Samyak
An Institute For Civil Services

1st RANK

VIKRANT SHARMA

सम्यक् मार्गदर्शन=सर्वश्रेष्ठ परिणाम

सम्यक् ने पुन: रचा इतिहास, सम्यक् सितारों ने फहराया परचम

राजस्थान में पहली बार TOP 10 में 9 TOPPERS

650+ SELECTION

RANK 2 PRIYA BAJAJ

RANK 4 VISHWAJEET

RANK 5 BHARTI GUPTA

RANK 6 AKANKSHA DUBEY

RANK 7 KANCHAN CHOUDHARY

RANK 8 SHUBHAM SHARMA

RANK 9 NIDHI UDSARIA

RANK 10 SATYA NARAYAN

सिविल सेवा की तैयारी को समर्पित संस्थान

RAS | IAS | PSI

Online | Offline | Live From Classroom | Separate Batches For Hindi & English Medium

After Class 12th

IAS & RAS

3 YEARS INTEGRATED COURSE ALONG WITH GRADUATION

FEATURES

- Classes By Subject Experts
- Study Materials: Printed Booklets
- Regular Test Papers Pre & Mains
- Library Facility
- Online Course Free with Offline Course

राजस्थान में पहली बार IAS/RAS की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवासीय कोचिंग

Samyak Gurukul
A Residential Coaching For Civil Services

KNOW MORE ABOUT GURUKUL SCAN QR CODE

GIT Campus, Sitapura Industrial Area, Jaipur

Contact : 7733800800

ONLINE COURSES AVAILABLE ON SAMYAK APP

- Live & Recorded Classes
- Personal Mentorship
- Test Series & Solution
- Toppers' Strategic Sessions

Download & Join
GET IT ON Google Play

Samyak
An Institute For Civil Services

NEAR RIDDHI-SIDDHI, GOPALPURA, JAIPUR

9875170111